भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 24 अप्रैल - 30 अप्रैल, 2024

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

वैशाख, पक्ष - कृष्ण, तिथि - प्रतिपदा, संवत 2081 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-10, अंक-9, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में सहयोग की जरूरत

आम चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न हो गया। ज्यादातर इलाकों में तेज गर्मी के बावजूद लोगों में मतदान को लेकर उत्साह देखा गया। राजस्थान की 12 सीटों पर मतदान सम्पन्न होने के साथ ही, कई सवाल भी पैदा हो गए। बीते चुनाव से कम मतदान किस स्थिति का आभास करा रहा है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ा भी है। इसके अलावा कुछ जगहों पर हिंसक घटनाओं ने जरूर लोकतंत्र के इस उत्सव को बदरंग करने की कोशिश की, पर अच्छी बात है कि उनसे मतदाताओं और मतदान की प्रक्रिया पर बहुत नकारात्मक असर नहीं देखा गया। मणिपुर लंबे समय से जातीय हिंसा की चपेट में है और वहां पहले से चुनाव के विरोध का स्वर उभर रहा था। इसलिए अगर कुछ मतदान केंद्रों पर उपद्रव की घटनाएं हुईं, तो इसकी वजहें समझी जा सकती हैं। वहां चुनाव कराना निर्वाचन आयोग के सामने बड़ी चुनौती थी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक मतदान केंद्र के पास नक्सलियों ने विस्फोट किया।

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

यह भी कोई अनपेक्षित घटना नहीं थी, क्योंकि मतदान से दो दिन पहले ही वहां सुरक्षाबलों ने उनतीस नक्सलियों को मार गिराया था। उस घटना की प्रतिक्रिया में हमले की आशंका पहले से थी। हालांकि वहां भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और मतदान की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न नहीं हुई। अगर कोई राजनीतिक दल अपने कामकाज और सैद्धांतिक प्रभाव से मतदाता का विश्वास अर्जित नहीं कर पाता, तो उसे जीत का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह जाता। मगर कुछ समय से धनबल और बाहुबल के जरिए चुनाव को अपने पक्ष में करने की अनैतिक कोशिशें बढ़ी हैं। लोकतंत्र मतदाता के भरोसे और विश्वास पर टिका होता है, अनैतिक तरीकों से मत अर्जित कर सत्ता में पहुंचे लोगों से लोकतंत्र की सुरक्षा की उम्मीद नहीं की जाती। जब तक राजनीतिक दल हिंसा के जरिए सत्ता में पहुंचने या बने रहने का रास्ता नहीं छोड़ेंगे, तब तक सही अर्थों में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव नहीं बन पाएंगे।

Medishnal Plant : सरकारी नीति के अभाव में दम तोड़ रही है औषधीय फसलों की खेती

जड़ी-बूटी को संजीवनी नहीं बना पा रहा प्रदेश

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कम-पानी और कम लागत में तैयार होने वाली जड़ी-बूटियों की खेती को किसानों के लिए लाभकारी बताया जाता रहा है। लेकिन, प्रदेश में आयुर्वेदिक खेती का दायरा अब दो-चार जिलों में सिमट कर रह गया है। क्योंकि, इस खेती को बढ़ावा देने वाली नीतियों की दरकार अब भी है। जबकि, मरूधरा की आबोहवा जड़ी-बूटियों की खेती के अनुकूल है। लेकिन, आयुर्वेदिक खेती परवान नहीं चढ़ पाई है। इसकी वजह है कि औषधीय पौधों के बाजार उपलब्ध नहीं होना। ना ही इस दिशा में सरकार की ओर से कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। बाजार नहीं मिलने के कारण किसान अपने खेतों से औषधीय फसल तैयार करना उचित नहीं समझ रहे है। जबकि आयुर्वेदिक दवाओं में प्रयोग और विदेशों में भारी मांग होने का हवाला देकर कृषि विभाग ने मेडिशनल प्लांट बोर्ड भी गठित किया हुआ है।

ये थी योजना

औषधीय फसलों के लिए प्रदेश स्तर पर मेडिशनल प्लांट बोर्ड का गठन किया गया। कृषि विभाग के अधीन बोर्ड की ओर से चंदन, गूगल, अश्वगंधा, ग्वारपाठा, मूसली सरीखे अन्य औषधीय पौधों पर अनुदान दिया जाना था। योजना का कृषि विभाग ने बढ़चढ कर प्रचार किया। इससे प्रभावित होकर किसानों ने अच्छी प्रजातियों के औषधीय पौधे मंगवाए। किसानों को औषधीय खेती के प्रति रूझान बना रहे इसके लिए अनुदान से पूर्व आवेदक का थर्ड पार्टी के रूप में क्रेता से अनुबंध करवाया गया। सौ रुपए के स्टाम्प पर निजी कम्पनियों की ओर से परम्परागत फसल की बजाए औषधीय खेती के भाव अच्छे दिलवाने का एग्रीमेंट किया।

गायब हो गई कम्पनियां

किसानों ने उद्यान विभाग से अनुदान लेकर खेतों में बूंद-बूंद सिंचाई के लिए लाखों रुपए खर्च कर पाइप लाइन डलवाई। आबोहवा अनुकूल होने के कारण औषधीय पौधों की फसलें भी हुई। लेकिन औषधीय फसल तैयार होने पर एग्रीमेंट करने वाली कम्पनी से सम्पर्क किया गया तो पता चला की कम्पनी ही काम नहीं कर रही है। कुछ कम्पनियों ने बाजार नहीं होने से कम भाव दिए तो किसान के सामने ने उपज बेचने का संकट हो गया।

अब खुद लगा रहे हैं किसान

सरकार की ओर से मेडिशनल प्लांट लगाने की योजना बंद करने के बाद प्रदेश के अधिकांश जिलों में जड़ी बूटी की खेती सिमट चुकी है। उदयपुर संभाग के एक-दो जिलों में किसान तुलसी, कलौंजी, सोनामुखी आदि फसलों की खेती अपने स्तर पर कर रहे है। किसानों का कहना है कि सरकार को किसानों के हितों के लिए यह योजना दुबारा शुरू करनी चाहिए। गौरतलब है कि आयुर्वेदिक फसलों की खेती करवाने के लिए वर्ष 2008-09 में मेडिशनल प्लांट बोर्ड ने योजनाएं तैयार की। इसके तहत किसान को लगाने वाले पोधों की संख्या और एस्टीमेट व इससे होने वाली आय और व्यय का ब्यौरा भरकर मेडिशनल प्लांट बोर्ड में फाइल जमा करवानी पड़ती है। कृषि विभाग के निर्देशन में पात्र किसान को औषधीय खेती करनी पड़ती है।

फसलवार यह है स्थिति

- **कलौंजीः** प्रदेश में कलौंजी की खेती का दायरा अब झालवाड़-प्रतापगढ और टोंक जिले तक सिमित होकर रह गया है। हालात यह है कि हर साल बुवाई क्षेत्र कम हो रहा है। झालावाड़ जिलें में वर्ष 2021-22 के दौरान 3433 हैक्टयर क्षेत्र में कलौंजी की बुवाई हुई थी। जो वर्ष 2022-23 के दौरान घटकर 497 हैक्टयर रह गई। इसी तरह प्रतापगढ़ में 1023 हैक्टयर से घटकर 881 और टोंक में 372 से घटकर 25 हैक्टयर रह गई।
- **तुलसीः** तुलसी की खेती उदयपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, हनुमानगढ़, चितौड़गढ़, झालावाड़ तक सीमित हो चुकी है। वहीं, इन जिलों में भी तेजी से बुवाई क्षेत्र घट रहा है। वर्ष 2021-22 की तुलना में चितौड़गढ़ जिले में वर्ष 2022-23 के दौरान 122 हैक्टयर में खेती की गई। जबकि, एक साल पहले बुवाई क्षेत्र का आंकड़ा 1050 हैक्टयर था। इसी तरह उदयपुर में एरिया 191 हैक्टयर से घटकर 2 हैक्टयर पर आ चुका है। जबकि पाली में वर्ष 2022-23 के दौरान 442 हैक्टयर क्षेत्र में तुलसी की खेती होना दर्ज हुआ है।
- **ग्वारपाठाः** चितौड़गढ़ जिले में ग्वारपाठा की खेती का सफाया हो चुका है। वहीं, चुरू, झुंझुनूं, जोधपुर, जैसलमेर, सीकर आदि जिलों में बुवाई क्षेत्र में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। चित्तौड़गढ़ जिले में वर्ष 2021-22 के दौरान 330 हैक्टयर में ग्वारपाठा की बुवाई हुई। इसके अगले साल बुवाई का आंकड़ा शून्य हो गया। वहीं, चुरू में भी साल भर के अंतराल पर बुवाई क्षेत्र घटकर 579 हैक्टयर से घटकर 143 हैक्टयर पर आ टिका।
- **सोनामुखीः** सोनामुखी की खेती भी बीकानेर, जोधपुर और पाली जिले में जिंदा है। लेकिन, इन जिलों में भी बुवाई क्षेत्र में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। वर्ष 2021-22 के दौरान बीकानेर में 1855, जोधपुर में 2066 और पाली जिले में 847 हैक्टयर क्षेत्र में सोनामुखी की बुवाई दर्ज हुई। इसके अगले साल बुवाई का आंकड़ा घटकर क्रमशः 308, 828 और 440 हैक्टयर रह गया।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

मौसम विज्ञान ने जारी किया इस वर्ष का प्रथम पूर्वानुमान

सामान्य से 106 फीसदी होगी बरसात

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने वर्ष 2024 में औसत से अधिक मानसूनी बारिश का अनुमान लगाया है, जो देश के कृषि क्षेत्र के लिए अच्छी खबर है। पिछले साल अनियमित मौसम से कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन ने बताया कि मानसून आम तौर पर 1 जून के आसपास केरल में आता है और सितंबर के मध्य में वापस चला जाता है। इस साल औसत बारिश 106 फीसदी होने की उम्मीद है। उन्होने कहा कि पूर्वानुमान से पता चलता है कि जून से सितंबर के दौरान मानसून मौसमी वर्षा लंबी अवधि के औसत का 106 फीसदी होने की संभावना है।

हेल्थ ड्रिंक, चाय पत्ती में कमल का स्वाद

एनबीआरआई लखनऊ की कवायद

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने रिसर्च के बाद कमल की पंखुड़ियों से लोगों के काम आने नए उत्पाद तैयार किए है। इनमें हेल्थ ड्रिंक, चाय पत्ती के साथ-साथ कपड़े भी शामिल है। यह संभव हुआ है कमल की नई प्रजाति के विकास से। संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी के मुताबिक नई प्रजाति में कमल की कुल 108 पंखुड़ियां हैं, जिसे पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। कमल की पंखुड़ी में हेल्थ के लिए लाभदायक बहुत सारे तत्व हैं, जो एंटीऑक्सीडेंट हैं, इसे ध्यान में रखकर ही पंखुड़ियों से चाय पत्ती बनाई है।

बनाया परफ्यूम और जैकेट

कमल की पंखुड़ियों से एब्सलूड (तरल सुगन्धित पदार्थ) निकलता है, इसे परफ्यूम के रूप में विकसित किया गया है। इसके अलावा कमल के फूल की जो डंडी है, उसमें से एक सिल्क निकलता है। यह मणिपुर से इंस्पायर्ड है, वहां डंडी से वस्त्र बनाए जाते हैं। इसी तरह यहां भी डंडी से सिल्क निकालकर जैकेट बनाई गई है। इस जैकेट की खास बात है कि यह ठंडी में गर्म करेगी और गर्मी में ठंडा। इन सभी को एनबीआरआई की लैब में विकसित किया गया है। अब यह टेक्नोलॉजी स्टार्टअप कंपनियों को हैंड ऑवर की जाएगी

इन उत्पादों से बढ़ेगा रोजगार

इसी तरह कमल की पंखुडियां से हेल्थ ड्रिंक, चाय की पत्ती और इत्र बनाया गया है। यह रोजगार का बेहतर विकल्प है। इससे कमल की खेती को बढावा मिलेगा और लोग नए-नए उत्पादक बना सकेंगे। इससे अच्छी कमाई भी होगी।

अंतिम 72 घंटे की एसओपी की अनुपालना सुनिश्चित हो

लोकसभा आम चुनाव- 2024 : मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों को वीसी के माध्यम से निर्देश दिए

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने द्वितीय चरण में मतदान वाले लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्र में मतदान से 72 घंटे पूर्व की एसओपी की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान दिवस के संबंध में अब तक की गई तैयारी की समीक्षा भी की। गुप्ता ने निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए एफएसटी और एसएसटी का सहयोग लें। उन्होंने वल्नरेबल और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े उपाय करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग ने आवश्यकतानुसार वेबकास्टिंग के लिए कुल मतदान केन्द्रों की संख्या के 50 प्रतिशत से अधिक के बराबर कैमरे लगाने की अनुमति प्रदान की है। बेवकास्टिंग के लिये कैमरे आवश्यकतानुसार मतदान केंद्र के भीतर और बाहर भी लगाये जा सकेंगे। उन्होंने अंतिम 72 घंटे के दौरान अंतरराज्यीय बॉर्डर को सील करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अंतर्जिला सीमा, ईवीएम मुवमेंट एवं फोर्स डिप्लोटमेंट एसओपी को से संबंधी निर्देश भी दिए। गुप्ता ने कहा कि इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम पर मिलने वाली सूचनाओं पर तुरंत कार्यवाही की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मीडिया सेल, ईवीएम, वोटिंग एवं कानून व्यवस्था से संबंधित मामलों की रिपोर्ट तुरंत स्टेट मीडिया सेल को भिजवाई जाए।

ANCHOR — कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम का बड़ा हमला

'भाजपा अब राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि मोदी की पूजा करने वाला एक पंथ है'

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने भाजपा नीत राजग सरकार पर निशाना साधा। पी. चिदंबरम ने कहा कि भगवा पार्टी अब एक राजनीतिक पार्टी नहीं रही, बल्कि एक पंथ बन गई है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूजा करती है। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए चिदंबरम ने कहा कि मोदी शासन के दस वर्षों के अभिव्यक्ति की आजादी में भारी गिरावट हुई है। उन्होंने लोगों से लोकतंत्र को फिर से मजबूत करने की अपील की।

कांग्रेस के सीनियर नेता यह भी आश्वासन दिया कि भले ही कांग्रेस के घोषणापत्र में विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का उल्लेख नहीं किया गया था, लेकिन इंडिया गठबंधन

के सत्ता में आने पर इसे निरस्त कर दिया जाएगा। चिदंबरम ने यह भी उम्मीद जताई कि इंडिया ब्लॉक तमिलनाडु की सभी 39 सीटें और पांडिचेरी की एक सीट जीतेगी। चिदंबरम ने कहा कि भाजपा ने 14 दिनों में घोषणापत्र तैयार किया, जिसका शीर्षक घोषणापत्र नहीं है। उन्होंने इसे मोदी की गारंटी बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा अब एक राजनीतिक दल नहीं रहा। यह एक पंथ बन गया है और यह पंथ नरेंद्र मोदी की पूजा करता है। उन्होंने दावा किया कि "मोदी की गारंटी" सभी को उन देशों की याद दिलाती है जहां पंथ पूजा होती थी। उन्होंने कहा, "भारत में पंथ पूजा को ताकत मिलनी शुरू हो गई है और इससे तानाशाही को बढ़ावा मिलेगा।"

उन्होंने आरोप लगाया कि दस साल के मोदी शासन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर घोर सेंसरशिप है। चिदंबरम ने कहा, "अगर मोदी तीसरी बार सत्ता में वापस आते हैं, तो वह संविधान में संशोधन कर सकते हैं। हमें लोकतंत्र बहाल करना होगा।" इसी तरह, टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारत के चुनाव आयोग ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कैबिनेट सहयोगियों को देश के संसाधनों का उपयोग करके व्यापक प्रचार करने में सक्षम बनाने के लिए सात चरण के चुनावों की योजना बनाई है।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
JAGRUK CITY
जागरूक सिटी

लोकसभा चुनाव-2024 : पहले चरण के मतदान के दौरान जयपुर में दिखे लोकतंत्र की मजबूती के कई आयाम

खास और आम सबका लक्ष्य मतदान

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को पहले चरण के मतदान में लोकतंत्र के पर्व को मानने के लिए हर खास और आम में उत्साह दिखा। खासकर पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं का उत्साह देखते बना। उन्हें मतदान के बाद प्रमाण पत्र मिला तो उनकी खुशी दोगुनी हो गई। प्रदेश की राजधानी जयपुर की दोनों लोकसभा सीटों जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग करने में कोई कंजूसी नहीं बरती। सुबह 7 बजे से शुरू हुआ मतदान करने का दौर शाम 6 बजे तक जारी रहा। मतदान केन्द्र पर सबने फोटो और सेल्फी लेकर इस पल को याद के रूप में सहेजने का काम भी किया।

पर्यटकों ने जाना मतदान का महत्व : विरासत के साथ लोकतंत्र के पर्व को जाना-समझा

परकोटे में घूमने के दौरान विदेशी पर्यटकों ने शहर के लोगों को मतदान केन्द्रों की तरफ सज-धजकर उत्साह से जाते देखा तो उनसे रहा नहीं गया। वे मतदान की प्रक्रिया को समझने के लिए आए और सारी जानकारी भी ली।

प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने सपरिवार किया मतदान।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मतदान के बाद सब नागरिकों से वोट करने की अपील की।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट वोट देने के बाद अमिट स्याही को दिखाते हुए।

चुनाव के साथ मतदान भी : राज्य के निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने जल्दी डाला वोट।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रथम महिला के साथ निभाया मतदान धर्म।

तीन पीढ़ी एकसाथ : इनसे ही रोशन रहती है लोकतंत्र की मशाल।

हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने सेल्फी बूथ में।

बीकानेर में केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने पत्नी के साथ किया मतदान।

सबसूं पेली वोट दीजो : ग्रामीण मतदाता भी नहीं रहे किसी से भी पीछे

जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में कड़ी धूप के बावजूद ग्रामीण मतदाता वोट देने में किसी से पीछे नहीं रहे। ज्यादा उत्साह बुजुर्गों में दिखा।

काम बाद म कर लेवला : जयपुर ग्रामीण के बूथ पर पिता और पुत्र मतदान के लिए जाते हुए। इस दौरान बूथ के कार्यकर्ता ने मदद की।

पुत्र और पोते का साथ दादाजी : शहर के एक मतदान केन्द्र पर बुजुर्ग पिता को अपने पुत्र की मदद से वोट डालने के लिए लाते हुए।

फोटो बनता है : फर्स्ट टाइम वोटर का ऐसे किया गया उत्साहवर्द्धन।

पहले मतदान, फिर विदाई : शादी के बावजूद वोट देने आईं दुल्हनें।

दुलार और फर्ज साथ में : मतदान केन्द्र पर बच्चे को धूप से बचाते।

ग्रामीण क्षेत्र में मतदान के बाद अंगुली पर लगी स्याही के साथ फोटो।

आधी आबादी ने निभाया पूरा फर्ज : मतदान के लिए दिखा जोश।

चाल री, बेगा सूं चाला : वोट डालने के लिए साथ जातीं महिलाएं।

सुरक्षा कड़ी : शांतिपूर्ण मतदान के लिए पुलिस जवान रहे मुस्तैद।

कहीं लंबी लाइनें, तो कहीं छिटपुट लोग ही

जयपुर @ जागरूक जनता। लोकसभा चुनाव-2024 के लिए शुक्रवार को पहले चरण में प्रदेश में 12 सीटों की मतदान हुआ। कहीं मतदाता भागते हुए वोट डालने पहुंचे तो कहीं विधायक ही दूसरे बूथ पर वोट डालने पहुंच गए। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर सुबह 7 बजे से मतदाता मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचने लगे। दिनभर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं का रुक-रुक कर आना जाना लगा रहा। जयपुर शहर में शाम 6 बजे तक 62.87 प्रतिशत और जयपुर ग्रामीण में 56.58 प्रतिशत मतदान हुआ। जयपुर शहर सीट पर कुल 13 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि जयपुर ग्रामीण सीट पर 15 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है। मतदान का परिणाम 4 जून को आएगा।

जनता ने बखूबी निभाया फर्ज

लोकसभा चुनावों में शुक्रवार को पहले चरण में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। प्रदेश की जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों में आमने-सामने का मुकाबला है। यहां जयपुर शहर से भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा मोदी के नाम पर चुनाव लड़ रही हैं, वहीं कांग्रेस से प्रताप सिंह खाचारियावास अपनी सरकार में लागू की गई योजनाओं के भरोसे चुनाव मैदान में हैं। शुक्रवार को मतदान का दिन था लेकिन पिछले चुनावों की तरह मतदाताओं में जोश नजर नहीं आया। इस कारण से दोनों सीटों पर मतदान कम हुआ।

स्कॉटलैंड से वोट देने आए आयुष्मान

लोकसभा चुनाव-2024 के लिए वोट देने स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग से भारतीय मूल के स्टूडेंट आयुष्मान जयपुर पहुंचे। आयुष्मान यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के स्टूडेंट हैं। लोकतंत्र के इस महापर्व पर आयुष्मान अपनी भागीदारी निभाने आए हैं। इनसे उन्हें सीखना चाहिए जो यहां रहते हुए भी वोट देने नहीं पहुंचे। आयुष्मान की इस भावना को निर्वाचन विभाग ने भी सराहा है।

मालवीय नगर बूथ : सास-बहू की सेल्फी

मालवीय नगर में जलदाय विभाग के ऑफिस, गर्ल्स स्कूल और प्राइमरी स्कूल में मतदान केन्द्र बनाए गए थे। इन मतदान केन्द्रों पर सुबह 11 बजे तक वोटिंग कमजोर रही। इन मतदान केन्द्रों पर 4-5 वोटर्स ही नजर आए। इसके बाद लगाए गए ईरिक्शा से मतदाताओं को वोट देने के लिए लाया गया। शाम 4 बजे बाद वोटिंग ने रफ्तार पकड़ी। लोगों ने सेल्फी पॉइंट पर वोट देने के बाद सेल्फी भी ली।

पुरानी बस्ती में पोलिंग बूथ पर नजर आया जोश, मतदाता अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मतदाताओं को धूप से बचने के लिए टैंट लगाकर छाया की व्यवस्था की गई। साथ ही पीने के लिए ठंडे पानी की भी व्यवस्था थी।

दिनभर धीमी रही मतदान की चाल

जयपुर शहर सीट पर सुबह से मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला लेकिन वह दोपहर के 12 बजते-बजते समाप्त हो गया। कई बूथ तो ऐसे थे जहां मतदाताओं का रैला वोट करने आ रहा था। वहीं कुछ बूथों पर इक्के-दुक्के वोटर दिनभर वोट डालने आते रहे। इन सबके बीच प्रत्याशियों ने भी अपने-अपने बूथ पर जाकर वोट डाले। हवामहल से बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य सुबह 7 बजे वोट डालने पहुंच गए, 10 मिनट तक लाइन में लगने के बाद उन्हें पता चला कि वे गलत बूथ पर आ गए हैं। इसके बाद उन्होंने दूसरे बूथ पर जाकर वोट डाला। वहीं, बीजेपी उम्मीदवार मंजू शर्मा के भाई ने कांग्रेस प्रत्याशी पर धीमी वोटिंग करवाने के आरोप लगाए।

नजर नहीं आया वोटर का जोश

जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर एक अनुभवी राजनेता और युवा प्रत्याशी के बीच रोचक मुकाबला है। इस सीट पर सुबह से ही मतदान केंद्र खाली नजर आए। ऐसा लग रहा था जैसे मतदाताओं में इस बोर वोट को लेकर उत्साह ही नहीं है। भाजपा ने यहां से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है वहीं कांग्रेस ने युवा नेता अनिल चौपड़ा को प्रत्याशी बनाया है।

जयपुर ग्रामीण में शाहपुरा में नवविवाहित जोड़े ने किया मतदान।

शुरुआती दो घंटे के बाद खाली नजर आए बूथ

जयपुर। लोकसभा चुनाव के प्रति मतदाताओं में खास उत्साह नहीं नजर आया। शुरुआती दो घंटे में मतदान केंद्रों में लोग लगातार मतदान करने आते रहे, लेकिन उसके बाद मतदान केंद्र खाली नजर आए। मतदाता एक-एक कर मतदान केंद्र पर पहुंचते दिखे, लेकिन विधानसभा की तरह कतार नजर नहीं आई। हालांकि मतदान प्रतिशत बढ़ाने और ज्यादा से ज्यादा मतदान करवाने को लेकर सरकार ने कई जागरूकता कार्यक्रम किए।

समय : दोपहर 12 बजे

दोपहर 12 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दांतली मतदान केंद्र पर गिनती के लोग नजर आए। इस दौरान मतदान में जुटी टीम भी सुस्ताती नजर आई। मतदान में जुटे कर्मचारियों का कहना है कि विधानसभा की तरह कतार नहीं लगी। सुबह एक-एक कर मतदाता आते रहे, लेकिन 11 बजे बाद मतदान केंद्र खाली रहा। लोगों में मतदान के प्रति ज्यादा उत्साह नजर नहीं आया। मतदान केंद्र पर केवल एक महिला और एक युवक ही नजर आए।

कई मतदान केंद्रों पर वोटर्स की सुविधा के लिए छाया की व्यवस्था की गई

मतदान से वंचित रहा शियांश, फर्जी वोटर डाल गया वोट

जयपुर। मानसरोवर पोलिंग बूथ में शुक्रवार को हुए लोकसभा चुनाव में कुछ अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई। चुनाव अधिकारी एक दूसरे पर पल्ला झाड़ते हुए नजर आए। हुआ यूं कि मानसरोवर निवासी 18 साल के शियांश जैन स्प्रिंग फील्ड स्कूल पोलिंग बूथ पर सुबह अपना वोट देने पहुंचा। काउंटर से अपने नाम की पर्ची लेने के बाद जैसे ही वह कमरा नम्बर -109 में वोट देने पहुंचा तो निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि इस नाम का मतदान तो हो चुका है। शियांश ने फोन कर पिता को बताया। सूचना पर पहुंचे पिता हेमंत जैन ने बीएलओ अजय गुप्ता से मामले की जानकारी चाही तो उन्होंने टेंडर वोट डालने की सलाह देते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया।

क्रमांक में चूक से हुआ गलत मतदान

पोलिंग बूथ में कमरा नम्बर -109 चार निर्वाचन अधिकारियों को वोट डलवाने के लिए नियुक्त किया गया था। लेकिन चारों अधिकारियों ने वोटर के नाम के अलावा कुछ और तस्दीक नहीं की। जबकि चार अधिकारियों में एक नाम, पता और मतदान क्रमांक नम्बर देखता है, दूसरा निर्वाचन अधिकारी वोटर आईडी से मतदान करने वाली की फोटो का मिलान करता है। तीसरा अधिकारी एवीएम मशीन से वोट डलवाता है और बीप की आवाज आने पर मतदाता को यह सुनिश्चित करता है कि आपका मतदान हो चुका है। लेकिन किसी भी निर्वाचन अधिकारी ने इन सब नियमों की पालना नहीं की। जिसके चलते कोई फर्जी वोटर शियांश के नाम का मतदान कर गया। जबकि इस मामले में निर्वाचन अधिकारियों का कहना है कि मतदाता क्रमांक नम्बर में चूक होने के कारण ये गलत मतदान हुआ है। शियांश का वोट 518 की जगह 618 क्रमांक पर किसी अनजान व्यक्ति ने कर दिया।

> भाजपा के पार्षद रामअवतार गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव में सभी बूथों की हालात बेहद खराब रही है। मानसरोवर स्थित सेक्टर -42 में 5 बूथ लगाए गए थे। जिसमें वोटिंग लिस्ट में नाम को तलाशने में वोटर को अलग-अलग बूथों पर भटकना पड़ा। रही बात शियांश के वोट की , तो इसका वोट टेंडर वोट के माध्यम से डलवाया जा सकता था।

जयपुर ग्रामीण में बुजुर्ग व्हील चेयर पर वोट देने आए।

लोकतंत्र के महापर्व का बुजुर्गों में दिखा जबर्दस्त उत्साह

घर पर वोटिंग का ज्यादातर लोगों का पता ही नहीं

जयपुर। शहर सीट पर जहां पहली बार के मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। वहीं शहर में बुजुर्गों में भी भारी उत्साह था। जबकि बुजुर्गों के लिए निर्वाचन विभाग ने होम वोटिंग की सुविधा दे दी थी। लेकिन इस राहत से बेखबर कई बुजुर्गों ने खुद बूथ पर जाकर वोट डाला।

सांगानेर विधानसभा सीट के भांकरोटा में बासड़ी बूथ पर एक बुर्जुग महिला मतदाता बेटे के साथ वोट करने आई। उनसे चला नहीं जा रहा था तो बेटे ने अपने दोपहिया को मतदान केंद्र के अंदर ही ले जाकर उनको वाहन से उतारा। फिर वही बेटा उनको खुद ले जाकर वोट करवा कर वापस लाया।

रिपोर्टर ने जब इस दृश्य को देखा तो लगा कि शायद यह निर्वाचन विभाग की कमजोरी रही है कि वे बुजुर्गों के लिए घर से वोटिंग सुविधा का ठीक से प्रचार-प्रसार नहीं कर पाए। लेकिन जब बुजुर्ग महिला से बात की तो उन्होंने कहा कि मेरा घर पास में ही है, लेकिन वोट हमेशा बूथ पर ही जाकर करती हूं। इसलिए बेटे के साथ वोट देने आई हूं। दूसरी तरफ किशनपोल विधानसभा के एक बूथ पर पहुंचे तो हमको एक 82 साल के बुजुर्ग रामप्रताप व्हील चेयर पर वोट देते जाते दिखे। लेकिन जब हमने उनसे बात की तो उनका कहना है कि मुझे पता ही नहीं कि निर्वाचन विभाग ने ऐसी कोई व्यवस्था कर रखी है। मैं तो अपने पोते के साथ वोट करने आया हूं। मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं।

मतदान के बाद ली सेल्फी

जयपुर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर ने परिवार सहित स्टेशन रोड दुर्गापुरा स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया।

बुजुर्ग महिला अपनी पोती के साथ वोट डालने निगम मुख्यालय स्थित बूथ पर पहुंची।

नगर निगम मुख्यालय स्थित बूथ पर की गई थी व्हीलचेयर की व्यवस्था।

गर्मी के कारण दोपहर के समय मतदान केन्द्र पर कोई नजर नही आया।

पहली बार वोट देने पर इन्हें मिला निर्वाचन विभाग से प्रमाण पत्र।

सम्पादकीय

पारदर्शिता पर सवाल

चुनावों में धनबल के बढ़ते चलन को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए सरकार और भारत निर्वाचन आयोग सतत प्रयत्नशील देखे गए हैं। मगर हकीकत यही है कि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगने के बजाय यह हर बार कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस बार आम चुनाव के पहले चरण का मतदान तक चार हजार छह सौ पचास करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की जा चुकी है। यह पिछले आम चुनाव में हुई कुल तीन हजार चार सौ पचहत्तर करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती से बहुत अधिक है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि मार्च से जब्ती का सिलसिला शुरू हुआ और अब तक हर रोज करीब सौ करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की जा रही है। अभी तक की गई जब्ती में करीब पैंतालीस फीसद हिस्सा मादक पदार्थों का है। इसमें केवल तीन सौ पंचानबे करोड़ रुपए नगदी जब्त की गई है। चार सौ नवासी करोड़ रुपए मूल्य की शराब और दो हजार उनहत्तर करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त हुए हैं। छिपी बात नहीं है कि चुनावों में काले धन को सफेद करने की कोशिशें तेज हो जाती हैं। राजनीतिक दल बहुत सारे ज्ञात-अज्ञात स्रोतों से चंदा इकट्ठा करते हैं। इसी से पार पाने के लिए चुनावी बांड का नियम बना था। मगर वह भी पारदर्शी साबित नहीं हुआ। उसमें काले धन और संदिग्ध चंदे का प्रवाह देखा गया। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने उसे असंवैधानिक करार दे दिया। मगर चुनावी बांड से आए चंदे के हिसाब-किताब से यह तो पता चल गया कि कुछ राजनीतिक दलों के पास भारी मात्रा में धन जमा हो गया है। जाहिर है, जिन दलों के पास जितना अधिक धन है, वे उतना अधिक खर्च भी करेंगे। मगर चुनाव में मनमाने खर्च से समानता के अवसर का सिद्धांत बाधित होता है। इस पर अंकुश लगाना भारत निर्वाचन आयोग का दायित्व है। अच्छी बात है कि इस दिशा में वह प्रयास कर रहा है। मगर धनबल से जनबल को प्रभावित करने की प्रवृत्ति इस कदर बढ़ती गई है कि प्रत्याशी और पार्टियां न केवल निर्वाचन आयोग द्वारा तय सीमा से अधिक खर्च करने, बल्कि मतदाताओं को चोरी-छिपे नगदी और शराब, मादक पदार्थ, महंगे उपहार आदि देकर प्रभावित करने की कोशिश भी करती हैं। विचित्र है कि इसमें स्थानीय प्रशासन भी उनका सहयोग करता है। इस चुनाव में पार्टियों की मदद करते एक सौ छह सरकारी अधिकारी अब तक पकड़े जा चुके हैं। इस बार चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही निर्वाचन आयोग अवैध धन के प्रवाह पर रोक लगाने के लिए निगरानी दलों के गठन का एलान कर दिया था। अच्छी बात है कि वे निगरानी दल मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। मगर केवल जब्ती से राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की इस प्रवृत्ति को कहां तक रोका जा सकेगा, कहना मुश्किल है। इस तरह मादक पदार्थ और शराब बांट कर वे लोगों को नशे के गर्त में धकेल रहे हैं। जब तक उन पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होगी, उनमें शायद ही हिचक पैदा हो। मगर निर्वाचन आयोग को एक नख-दंत विहीन शेर बना कर रखा गया है। इसलिए राजनेता और राजनीतिक दल मनमानी से बाज नहीं आते।

धनबल से जनबल को प्रभावित करने की प्रवृत्ति इस कदर बढ़ती गई है कि प्रत्याशी और पार्टियां न केवल निर्वाचन आयोग द्वारा तय सीमा से अधिक खर्च करने, बल्कि मतदाताओं को चोरी-छिपे नगदी और शराब, मादक पदार्थ, महंगे उपहार आदि देकर प्रभावित करने की कोशिश भी करती हैं।

दरअसल अब यह पूरी तरह साफ हो चुका है कि बॉर्नविटा या फिर इससे मिलते-जुलते ड्रिंक्स में चीनी की मात्रा अधिक होती है, जिसे पीने से डायबिटीज होने का भी खतरा रहता है। इससे बच्चों में मोटापा और वजन बढ़ने जैसी समस्या हो सकती है।

बच्चों के हेल्दी ड्रिंक का कड़वा सच

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

पिछले दिनों सरकार ने हेल्दी और एनर्जेटिक कहे जाने वाले बॉर्नविटा समेत अन्य तमाम ड्रिंक्स को हेल्दी ड्रिंक की कैटेगरी से हटाने की एडवाइजरी जारी की। इस संबंध में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, जिसमें सभी ई -कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बॉर्नविटा के साथ अन्य पेय पदार्थों को भी हेल्दी ड्रिंक्स की कैटेगरी से बाहर रखने के लिए कहा गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के तहत गठित एक कमेटी द्वारा एक जांच की गई, जिसमें बॉर्नविटा हेल्दी ड्रिंक के रूप में साबित नहीं हो पाया। ये ड्रिंक्स फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) और मॉन्डेलेज इंडिया फूड प्राइवेट लिमिटेड के तय किए मानकों पर खरा नहीं उतरते हैं। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एथॉरिटी के पास पहले भी ऐसी शिकायतें आ चुकी हैं, जिसमें बॉर्नविटा समेत बच्चों के कई तथाकथित हेल्थ ड्रिंक्स से जुड़े खतरों को लेकर आगाह किया गया है।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एथॉरिटी ने अब सभी ई-कॉमर्स कंपनियों, मल्टी बेस्ड कंपनियों और डेयरी आदि को बॉर्नविटा या फिर इससे मिलते-जुलते ड्रिंक्स को हेल्दी या फिर एनर्जी ड्रिंक के रूप में लेबल नहीं करने की सलाह दी है। दरअसल, एफएसएस का कहना है कि ऐसे प्रोडक्ट्स पर एनर्जी और हेल्दी ड्रिंक का टैग लगाना ग्राहकों को गुमराह करने वाली बात है। दरअसल अब यह पूरी तरह साफ हो चुका है कि बॉर्नविटा या फिर इससे मिलते-जुलते ड्रिंक्स में चीनी की मात्रा अधिक होती है, जिसे पीने से डायबिटीज होने का भी खतरा रहता है। इससे बच्चों में मोटापा और वजन बढ़ने जैसी समस्या हो सकती है। कुछ मामलों में इसे पीने से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर बढ़ने की भी आशंका रहती है। इस खुलासे के बाद बच्चों के ऐसे तमाम ड्रिंक्स के अधूरे स्वास्थ्यप्रद दावों पर देशभर में व्यापक बहस छिड़ गई है।

यह सब 1 अप्रैल को शुरू हुआ, जब इंस्टाग्राम के प्रभावशाली रेवंत हिमतसिंग्का ने एक वीडियो जारी कर मोंडेलेज़ इंडिया द्वारा निर्मित और मार्केटिंग किए गए चॉकलेट माल्ट ड्रिंक पाउडर मिक्स कैडबरी बॉर्नविटा के बारे में दावों पर सवाल उठाया। वीडियो में बॉर्नविटा के एक पैकेट को पढ़ते हुए, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस से स्नातक करने वाले रेवंत हिमतसिंग्का ने इसके कुछ हानिकारक तत्वों पर ध्यान केंद्रित किया। इन तत्वों चीनी भी शामिल है - प्रत्येक 100 ग्राम के लिए 49.8 ग्राम। यह वीडियो जंगल की आग की तरह फैल गया, 12 मिलियन से अधिक बार देखा गया और कुछ

मशहूर हस्तियों ने इसे साझा किया।

हिमतसिंग्का ने मोंडेलेज द्वारा बनाए गए बॉर्नविटा के बारे में एक वीडियो के साथ फर्जी दावों के खिलाफ अपनी लड़ाई शुरू की। चीनी के अत्यधिक उपयोग के लिए बच्चों के पेय की आलोचना करने वाला वह वीडियो सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर साझा किया गया था। हिमतसिंग्का ने बॉर्नविटा की टैगलाइन 'तैयारी जीत की' (जीत की तैयारी) का भी मज़ाक उड़ाया, इसके बजाय उन्होंने सुझाव दिया कि बोर्नविटा बच्चों को मधुमेह के लिए तैयार कर रही थी। उन्होंने बोर्नविटा में सभी सामग्रियों को सूचीबद्ध किया, इस दावे को खारिज कर दिया कि पेय स्वास्थ्यवर्धक है, और टिप्पणी की कि बॉर्नविटा के पैकेज का आधा हिस्सा चीनी है, और इसमें कैंसर पैदा करने वाले तत्व भी शामिल हैं।

ऑनलाइन बढ़ती आलोचना से आहत होकर, मोंडेलेज इंडिया ने हिमतसिंग्का को कानूनी नोटिस जारी किया, जिससे उन्हें वीडियो हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा और 14 अप्रैल को माफी भी मांगनी पड़ी। लेकिन विवाद पर पर्दा डालने की कोशिश विफल रही। मोंडेलेज इंडिया के सख्त रवैये से नाराज होकर, कई लोगों ने हिमतसिंग्का के वीडियो को साझा करना शुरू कर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि सोशल मीडिया एनफ्लूएंसर के तौर पर हिमतसिंग्का के विचार अधिक प्रभावशाली हैं।

यहां तक कि डॉक्टरों और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने भी बॉर्नविटा के दावों पर सवाल उठाए। पोषण संबंधी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाले संगठन न्यूट्रिशन एडवोकेसी इन पब्लिक इंटरेस्ट (एनएपीआई) ने बॉर्नविटा को 'अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड' के रूप में वर्णित किया है, जिसमें खाद्य पदार्थों के पोषक तत्वों और गैर-पोषक घटकों को बदलने के लिए रिफाइंड करने की प्रक्रिया भी शामिल है। हाल के वर्षों में वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ यह माना जाने लगा है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड भोजन का इस्तेमाल करने से मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर और यहां तक कि अवसाद का खतरा भी बढ़ जाता है।

बॉर्नविटा समेत अन्य तमाम ड्रिंक्स को हेल्दी ड्रिंक की कैटेगरी से हटाने का यह विवाद दरअसल केंद्र सरकार की कमजोर नियामक प्रणाली को उजागर करता है, और हिम्मतसिंग्का ने वही किया जो सरकार को करना चाहिए था - चीनी के बढ़ते इस्तेमाल और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य उत्पादों के सेवन से स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना।

सरकार ने इस विवाद के बीच चेतावनी संबंधी लेबलिंग प्रणाली लागू करने के संकेत दिए हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि जिस तरह सिगरेट के पैकेट पर लिखा होता है कि धूम्रपान करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, ठीक उसी तरह हेल्दी ड्रिंक के पैकेट पर भी लिख दिया जाएगा कि इसमें चीनी का भरपूर इस्तेमाल किया गया है, और इसका सेवन आपको गंभीर रोगों की ओर ले जा सकता है। लेकिन उद्योग लॉबी के दबाव के कारण इस तरह का लेबल शायद लागू ही नहीं किया जाएगा। और अगर लागू भी किया गया, तो इसका कितना असर होगा, इसे आसानी से समझा जा सकता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि बच्चों के बीच मीठे पेय पदार्थों की खपत को कम करने के लिए कौन से कौन-से कदम उठाए जाने चाहिए। सबसे पहले जरूरी है कि चीनी युक्त पेय पदार्थों पर मोटा कर लगाया जाए। चीनी युक्त पेय पदार्थों की कीमतें बढ़ाएं, जैसे कि उत्पाद शुल्क के माध्यम से। कर राजस्व का उपयोग कुछ हद तक स्वास्थ्य और सामाजिक आर्थिक असमानताओं को कम करने में किया जाना चाहिए। पेय पदार्थों को लेबल किया जाए और इनके उपभोग के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। लेबल के जरिये साफ-साफ यह बताया जाए कि इस पेय पदार्थ में शर्करा का कुल कितना उपयोग किया गया है। जिन पेय पदार्थों का सेवन एक या एकाधिक सर्विंग (जैसे कोल्ड ड्रिंक या सोडा) में किया जा सकता है, उनमें पूरी बोतल के साथ-साथ प्रति सर्विंग में चीनी और कैलोरी की मात्रा दिखाने के लिए एक दोहरा लेबल लगाया जाए। साथ ही, खाद्य उद्योग को अस्वास्थ्यकर और प्रोसेस्ड प्रोडक्ट्स से दूर जाने के लिए निर्देश दिए जाएं और घर के भोजन को प्रोत्साहित किया जाए। सरकार को न केवल सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए, बल्कि स्वस्थ और अस्वास्थ्यकर क्या है, इसे विशेष रूप से परिभाषित करने के लिए नीतियां बनानी होंगी और एक कानून लाना होगा जो अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

बच्चों के लिए बने ड्रिंक्स से जुड़ा यह विवाद दरअसल केंद्र सरकार की कमजोर नियामक प्रणाली को उजागर करता है। इस इंडस्ट्री की प्रभावशाली लॉबी के कारण सरकार बच्चों के ड्रिंक्स में चीनी के बढ़ते इस्तेमाल से संबंधित खतरों को सामने नहीं ला पाई है।

बदलती जीवन शैली में समय पर सजगता जरूरी

डॉ. कृपाशंकर
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

बदलती जीवन-शैली, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, खाद्य पदार्थों में विषाक्तता आदि के चलते बीमारियों का विस्तार हो रहा है। नई-नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। कैंसर भी इन्हीं स्थितियों के चलते लगातार अपने पांव पसार रहा है। हालांकि अब इस समस्या से पार पाने के लिए चिकित्सा विज्ञान ने कई आसान और कारगर उपाय तलाश लिए हैं, इसकी दवाओं की उपलब्धता बढ़ी है। मगर यह अब एक आम बीमारी बन गया है। 'लैंसेट' के ताजा अध्ययन में बताया गया है कि अगले पंद्रह-सोलह वर्षों तक हर वर्ष केवल स्तन कैंसर से दस लाख मौतें हो सकती हैं। स्तन कैंसर अब एक आम बीमारी बन चुका है। स्वाभाविक ही इसे लेकर दुनिया भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है। बेशक इस रोग से पार पाना आसान हो गया है, पर असल समस्या हर किसी तक इसके इलाज की पहुंच संभव न हो पाना है। भारत जैसे समाजों में गरीबी, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता कम होने तथा महिलाओं और पुरुषों के बीच भेदभावपूर्ण नजरिया व्याप्त होने की वजह से इस समस्या पर काबू पाना और कठिन हो जाता है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी देखभाल में मुश्किलें इसलिए भी आती हैं कि महिलाएं खुद इसे लेकर बहुत सजग नहीं होती हैं। शहरी इलाकों में जरूर महिला स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता देखी जाती है, मगर ग्रामीण और समाज के निचले कहे जाने वाले तबकों में इसका घोर अभाव

नजर आता है। फिर, कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। इसलिए बहुत सारी महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान नहीं हो पाती और जिनकी हो भी पाती है, उसमें बहुत देर हो चुकी होती है और उनके लिए इलाज कराना कठिन होता है। 'लैंसेट' के अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि इसके लिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को किसी न किसी रूप में संचार कौशल प्रशिक्षण देने की पहल करनी और रोगियों से संपर्क बनाना चाहिए। इस बीमारी को रोकने में सामूहिक प्रयास बहुत जरूरी हैं, जिनमें परिवार, समुदाय और चिकित्सा पेशेवरों का परस्पर जुड़ाव हो।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ग्रामीण उपभोक्तओं की मांग और चुनौतियां

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. संजय बैरवा
प्राकृतिक चिकित्सक
@jagrukjanta.net

हाल में हुए 'सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी' (सीएमआईई) के ताजा सर्वेक्षण में बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग तेजी से बढ़ी है। यहां टीवी, फ्रिज, कूलर, पंखा, एसी आदि की मांग 2019 के कोरोना काल के बाद 25.82 फीसद बढ़ी है। अप्रैल 2020 में सिर्फ 2.03 फीसद ग्रामीण उपभोक्ता मान रहे थे कि टीवी, फ्रिज, कूलर, एसी, पंखे, ट्रैक्टर, दुपहिया वाहन आदि खरीदने का उनके लिए यह सबसे अच्छा समय है, लेकिन अब 27.85 फीसद ग्रामीण उपभोक्ता मानते हैं कि वर्तमान समय इसके लिए सबसे बेहतर है। लोकसभा चुनाव के दौर में धन के प्रवाह को भी इसकी एक वजह माना जा रहा है। इसी वर्ष जनवरी में ग्रामीण उपभोक्ता मांग का सूचकांक कम हो गया था, मगर चुनाव की घोषणा के बाद मार्च में तेजी आने लगी। रपट में यह भी कहा गया है कि ग्रामीण उपभोक्ता मानते हैं कि अगले पांच साल उनकी वित्तीय स्थिति और अच्छी बनी रहेगी।

अप्रैल 2019 में 29.74 फीसद ग्रामीण मानते थे कि आर्थिक हालात बेहतर हैं, लेकिन मई 2021 में ऐसा मानने वाले सिर्फ 2.93 फीसद रह गए थे। चुनाव की तिथियां घोषित होने के बाद मार्च 2024 में बढ़कर यह संख्या 31.60 फीसद हो गई है। वाहन उद्योग में भी ग्रामीण उपभोक्ता मांग में तेजी आई है। कुछ दिनों पहले आरबीआइ के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया था कि वित्तवर्ष 2020-23 की दूसरी तिमाही में दुपहिया वाहनों की 30.3 फीसद और ट्रैक्टर की बिक्री 16.1 फीसद बढ़ी है। ग्रामीण वित्त विशेषज्ञों का मानना है अगले पांच वर्षों में ग्रामीण उपभोक्ता मांग में और तेजी आने की संभावना है।ग्रामीण उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी के कई कारक हैं, जिनमें ग्रामीण आय में वृद्धि प्रमुख है। विगत कुछ वर्षों में ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार हुआ है। सरकारों ने इसके लिए बहुत से प्रयास किए हैं। इनमें गरीबी और असमानता को कम करने, सामाजिक सुरक्षा, आय सृजन और आजीविका के विकल्प प्रदान करने और देश में आबादी के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु किए जाने वाले उपाय शामिल हैं। इसके लिए कई लक्षित कार्यक्रम शुरू किए गए, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, अल्पसंख्यकों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए अंब्रेला कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, पीएम-किसान के तहत फंड ट्रांसफर, पीएम फसल बीमा योजना का दावा भुगतान, उर्वरक सब्सिडी, डेयरी सहकारी समितियों और कृषि-बुनियादी ढांचे के लिए ब्याज छूट, फार्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए फंड उपलब्ध कराना आदि प्रमुख हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

कर्ताभाव आना ही अहंकार है। शरीर में रोग, इन्द्रियों के दुरुपयोग से होते हैं। कहा गया है जैसे कि गलत बात सुनी तो बहरापन आता है, दृष्टि बिगड़ी तो आंक के रोग होते हैं। मन से दूसरों को दुःख दिए हों, तो मानसिक रोग होते हैं और जीभ की तो बात की क्या है। एक जीभ यानि वाणी का दुरुपयोग बंद हो जाए ते शारीरिक, मानसिक असंख्य रोग मिट जाएं। सभी दुःख और पीड़ा वाणी के कारण है। इसीलिए धर्म में मौन पर जोर दिया है। रोग होने का दूसरा कारण है-क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष। इनमें क्रोध मुख्य है। क्रोध से पूरा अन्तःकरण तप जाता है। भोजन से शरीर का पोषण होता है पर ज्यादा खाने से वह जहर बन जाता है। देह को स्वस्थ रखना है तो मन में अच्छे भाव रखना ही श्रेष्ठ उपाय है। संसार में किसी भी जीव को जरा भी दुःख न हो ऐसा भाव रखने से मन को आनन्द और शांति मिलती है और तब रोग होने का कारण ही नहीं रहता। कुसंग घुस जाए तो दिल बिगड़ता है दिल बिगड़ने से दिमाग बिगड़ता है और दिमाग बिगड़ता है तो उसका वर्तमान भी बिगड़ जाता है। कुसंग एक जहर है। दैहिक आकर्षण तो प्रज्वलित अग्नि है। आकर्षण अर्थात मोह और मोह अर्थात जहर। सत्संग में रहने से सब कुसंग दूर हो जाते हैं। यह संसार एक म्यूजियम है। **क्रमशः**

ओपिनियन

बिगड़ता पर्यावरण और हमारी जिम्मेदारी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नरेन्द्र फोगाट
शिक्षा विद्
@jagrukjanta.net

पर्यावरण प्रदूषण ने मानव सभ्यता की तमाम गतिविधियों और विकास पर जो असर पिछले तीन दशकों में डाला है, उसका असर कितने दशकों तक बना रहेगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, यह ऐसा धीमा जहर है जिसका प्रभाव हमारी सेहत सहित तमाम दूसरी गतिविधियों पर पड़ता रहता है। कोरोना के पहले पर्यावरण प्रदूषण कई समस्याओं, संकटों, बीमारियों, विकास में रुकावट, आर्थिक प्रगति में रुकावट और संपूर्ण वायुमंडल को जहरीला बनाने का कारण समझा जाता था। इसका मतलब यह नहीं कि पर्यावरण प्रदूषण के कारण पड़ने वाले असर, इससे बढ़ रहीं समस्याएं, संकट, बीमारियां, ऋतु चक्र में बदलाव जैसे अनगिनत समस्याओं को प्राथमिकता की सूची से निकाल दिया जाए।

वर्ष 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित संकल्पों के अनुरूप भारत पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रय%शील है। जी 20 देशों में भारत अकेला देश है जो समझौते का अनुपालन कर रहा है। इसके तहत वन क्षेत्रों को बचाना और बढ़ाना शामिल है। लेकिन बात इतनी ही नहीं है। वायु प्रदूषण के अलावा जल, ध्वनि, मिट्टी, अग्नि और अति प्रकाश प्रदूषण जैसी समस्याएं भी हैं, जिनके दुष्प्रभावों के असर से कई स्तरों पर समस्याएं पैदा हुई हैं। पिछले छह महीनों से पर्यावरण प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ा है। ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक विश्व में प्रदूषण के मामले में जिन तीस शहरों को शामिल किया गया, उनमें दिल्ली दूसरा सबसे प्रदूषित शहर है। इसके अलावा भारत के बाईस दूसरे शहर भी सर्वाधिक दुनिया के प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। गौरतलब है कि पर्यावरण बेहतरी के संकल्पों को अमल में लाने के बावजूद प्रदूषण की समस्या में कोई खास तब्दीली नहीं आई है। इसके बावजूद हम पर्यावरण को बेहतर रखने के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ती बीमारियों, ग्लोबल वार्मिंग, सुनामी और धरती के बढ़ते तापमान की बड़ी वजह बढ़ते वायु प्रदूषण को माना है। धरती का बढ़ता तापमान और ऋतु चक्र में आए बदलाव की सबसे बड़ी वजह विषैली कार्बन ऊर्जा है। हमारे देश में 2005 की तुलना में कार्बन उत्सर्जन में इक्कीस प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन यह बहुत कम है। दिल्ली, गुरुग्राम, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर और दूसरे शहरों में हवा अति खराब श्रेणी में लगातार बने रहने का मतलब है पर्यावरण की बेहतरी के लिए और अधिक कारगर कदम उठाने की जरूरत है।

पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक देश में 2040 तक स्वच्छ ऊर्जा की मांग आज की तुलना में तीन गुना बढ़ जाएगी। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि देश के कई राज्य जहां यूरिया, अमोनिया, जिंक सल्फेट और कीटनाशक बनाने के कारखाने हैं, जिनकी चिमनियों से तरह-तरह की जहरीली गैसें निकलतीं हैं, इनसे बुरी तरह से पर्यावरण खराब होता है। फूलपुर और आंवला में यूरिया बनाने के बहुत बड़े कारखाने हैं। इन कारखानों से निकले जहरीले पानी और गैस की वजह से तमाम समस्याओं से लोगों को रूबरू होना पड़ रहा है। बिहार में बहने वाली कई नदियों और कोलकाता में हुगली नदी डेढ़ सौ से ज्यादा चर्म, कपड़ा, कागज, पटसन, शराब और दूसरे आधुनिक उद्योगों के उच्छिष्टों की वजह से इतनी अधिक प्रदूषित हो गई है कि इसे हाथ से छूना बीमारी को बुलाने जैसा लगता है। इसी तरह भारत-नेपाल को बांटने वाली सरीसवा नदी नेपाल के उद्योगों से निकले उच्छिष्टों के कारण बहुत अधिक प्रदूषित हो गई है। गौरतलब है कि सरीसावा नदी सदियों से सौ से अधिक गांवों के लिए जीवन यापन का साधन बनी हुई थी। लेकिन चर्मशोधक कारखानों, शराब फैक्ट्रियों और चीनी मिलों से निकले जहरीले पानी और उच्छिष्टों की वजह से अब यह मौत का कारण बन गई है। पिछले पच्चीस सालों में दस हजार से ज्यादा जानवर इसके विषैले पानी के सेवन के कारण मौत का शिकार हुए हैं। यह जल प्रदूषण के कारण हुआ है। गंगा प्रदूषण निवारक समिति के मुताबिक 2033 किलोमीटर इस ऐतिहासिक नदी का 480 किलोमीटर हिस्सा उद्योगों के उच्छिष्टों और अवशिष्टों के लगातार मिलने की वजह से बुरी तरह प्रदूषित हो गया है। कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा, ताप्ती, भीमा, साबरमती और यमुना भी उद्योगों से निकलने वाले उच्छिष्टों के कारण बुरी तरह प्रदूषित है। केरल की चलियार नदी रेयान कारखाने से निकले विषैले पानी के कारण इतनी प्रदूषित हो गई है कि इसका पानी किसी इस्तेमाल के काबिल नहीं रह गया है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

पूर्वी डॉटर पूनम-विष्णु सारस्वत, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 13/03/2024

सूर्योदय : 05:58 **सूर्यास्त :** 18:52 **चन्द्रोदय :** 19:24 **चन्द्रास्त :** 05:52 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** चैत्र **पूर्णिमांत :** वैशाख **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** तुला **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** प्रतिपदा, 30:47 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **चन्द्रमास वैशाख :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **चैत्र :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2080 राक्षस

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : स्वाति, 24:33 तक
योग : सिद्धि, 28:59 तक
प्रथम करण : बालवा, 18:03 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 30:47 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:19 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:41 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:51 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:52 पी एम से
अमृत काल	03:06 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:57 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पश्चिम
अग्निवास : आकाश

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 05:57 - 07:34
अमृत	: 07:34 - 09:10
काल काल वेला	: 09:10 - 10:47
शुभ	: 10:47 - 12:24
रोग वार वेला	: 12:24 - 14:01
उद्वेग	: 14:01 - 15:37
चर	: 15:37 - 17:14
लाभ	: 17:14 - 18:51

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 18:51 - 20:14
शुभ : 20:14 - 21:37
अमृत : 21:37 - 23:00
चर : 23:00 - 00:23
रोग : 00:23 - 01:47
काल : 01:47 - 03:10
लाभ : 03:10 - 04:33
उद्वेग : 04:33 - 05:56

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज प्रतिपदा

आज कौन सा कार्य करें

प्रतिपदा को विवाह, यात्रा, व्रतबंध, प्राण प्रतिष्ठा, चूड़ा कर्म, वास्तु कर्म, गृह प्रवेश आदि मंगल कार्य बिलकुल भी नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

वैशाख, कृष्ण, प्रतिपदा, 2081 बुधवार, 24 अप्रैल - 30 अप्रैल, 2024

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

अबकी बार कम निभाई जिम्मेदारी महिला-60% पुरुष- 65%

लोकसभा चुनाव 2014 से तुलना करें तो पुरुषों ने 2.53 और महिलाओं ने 2.76% मतदान कम किया है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में पुरुषों ने 68.28 और महिलाओं ने 63.55% मतदान किया था।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इस बार के लोकसभा चुनाव में जयपुर सीट पर पुरुष और महिलाओं का मतदान का ग्राफ पिछले दो चुनाव से भी कम हो गया। महिला और पुरुषों के मतदान में पांच फीसदी तक गिरावट आई है। इस चुनाव में जयपुर की आठ विधानसभा क्षेत्र में पुरुषों ने 65.75 फीसदी तो महिलाओं ने 60.79 फीसदी मतदान किया, जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में पुरुषों ने 70.14 और महिलाओं ने 65.87 फीसदी मतदान किया था। ऐसे में पिछले चुनाव से पुरुषों ने इस बार 4.29 फीसदी और महिलाओं ने 5.08 फीसदी कम मतदान किया है।

वहीं, लोकसभा चुनाव 2014 से तुलना करें तो पुरुषों ने 2.53 और महिलाओं ने 2.76 फीसदी मतदान कम किया है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में पुरुषों ने 68.28 और महिलाओं ने 63.55 फीसदी मतदान किया था। वहीं, शुक्रवार देर रात तक हुई अंतिम गणना के बाद जयपुर का मतदान 63.38 फीसदी पहुंच गया।

4.73 फीसदी गिरा जयपुर का मतदान

जयपुर में इस बार मतदान भी 2014 के लोकसभा चुनाव से कम हुआ है। इस चुनाव में जयपुर की आठ विधानसभा क्षेत्र में 63.38 फीसदी मतदान हुआ। जबकि 2019 में 68.11 और 2014 में 66.08 फीसदी मतदान हुआ था। ऐसे में इस बार मतदान का ग्राफ 4.73 फीसदी कम हो गया। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से इस बार 2.7 फीसदी कम मतदान हुआ है।

45 प्रतिशत ही ट्रांसजेंडर वोट देने पहुंचे

लोकसभा चुनाव में जयपुर सीट पर महज 45 फीसदी ही ट्रांसजेंडर ने मतदान किया है। जयपुर सीट पर ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 80 थी। इनमें से 36 ही मतदान केन्द्रों पर वोट देने पहुंचे।

2024 : यह रहा महिला-पुरुषों का मतदान

विधानसभा	पुरुष	महिला
हवामहल	70.98	67.14
विद्याधर नगर	65.10	61.11
सिविल लाइंस	65.49	61.47
किशनपोल	71.96	65.50
आदर्श नगर	66.16	60.75
मालवीय नगर	65.10	60.69
सांगानेर	62.10	57.29
बगरू	63.18	56.55
कुल	**65.75**	**60.79**

2019 : जयपुर लोकसभा सीट

विधानसभा	पुरुष	महिला
हवामहल	72.99	68.11
विद्याधर नगर	69.34	65.95
सिविल लाइंस	68.28	65.32
किशनपोल	71.97	65.92
आदर्श नगर	69.23	64.42
मालवीय नगर	70.05	66.73
सांगानेर	69.43	65.05
बगरू	70.53	65.82
कुल	**70.14**	**65.87**

370 महिला, पुरुषो ने लिया श्रील प्रभुपाद आश्रय

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सच्चे सुख और आनंद की चाहत हो तो वो सिर्फ भगवान् के चरणों का आश्रय लेने से ही प्राप्त होते है। जीवन के दुखों को त्यागकर सुख का मार्ग कैसे अपनाया जाए इस ज्ञान का पथप्रदर्शन करता है भक्ति वेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद का मार्ग और भक्ति के मार्ग में प्रशस्त होने का रास्ता दिखाता है श्रील प्रभुपाद आश्रय समारोह। आज श्री श्री कृष्ण बलराम मंदिर में इस समारोह का आयोजन हुआ जिसमे भक्ति मार्ग की परीक्षा एवं इंटरव्यू पास कर चुके 370 लोगों ने इस मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा ली। गौरतलब है की आश्रय लेने वालो में देश विदेश से लोग शामिल हुए जिनमें डॉक्टर्स, आर्मी, इंजिनियर, एडवोकेट, सरकारी कर्मचारी, राजनीति से जुड़े लोग, शिक्षक आदि थे।

आश्रय में भाग लेने वालों में पुरुष और महिलाएं दोनों ही शामिल हुए। कल्चर सेंटर के सुधर्मा हाल में आयोजत हुए श्रील प्रभुपाद आश्रय समारोह में लोगों ने साधना भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। आश्रय लेने वाले सभी लोगों के चेहरों पर उत्साह साफ़ झलक रहा था, सभी भक्त भक्ति मार्ग में आगे बढ़ने के लिए बहुत ही उत्सुक थे। मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने आश्रय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की भगवान श्री कृष्ण का भक्ति मार्ग सर्वश्रेष्ठ है और भक्ति वेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद गौड़ीय वैष्णव परंपरा के महान आचार्य एवं गुरु हैं जिन्होंने पूरे विश्व में हरे कृष्ण आंदोलन को स्थापित किया। उन्होंने आश्रय की प्रक्रिया के बारे में आगे बताया की इसके लिए पहले रजिस्ट्रेशन होता है। यह कार्यक्रम 6 अलग-अलग स्तरों पर होता है जिन्हें पास करके भक्त श्रील प्रभुपाद का आश्रय लेने के हक़दार होता है, यह दीक्षा से पूर्व की प्रक्रिया है जिसमे कम से कम 2 साल का समय लगता है। परीक्षा के लिए पुस्तकों का पठन करना होता है, लिखित परीक्षा पास करना और साक्षात्कार अगले चरण होते हैं । सभी चरणों को पास करके दीक्षा के लिए भक्त तैयार होता है और भक्ति मार्ग में आगे बढ़कर अपना जीवन सफल बनाता है।

राज्यपाल ने राजभवन में पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने राजभवन में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने की शुरुआत की। सोनल सलोनी माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जयपुर के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के पानी पीने के लिए एक हजार परिंडे लगाए जाने की शुरूआत करते हुए राज्यपाल ने आमजन से अपील भी की है कि आने वाले दिनों में तपिश और बढ़ेगी, ऐसे में अधिकाधिक लोग पक्षियों के लिए अपने घरों और आस-पास के पेड़ों पर परिंडे लगाएं। सुबह-शाम इनमें दाने-पानी की व्यवस्था भी करें।

साहित्यकार बालमुकुंद ओझा गोस्वामी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट से होंगे सम्मानित

बीकानेर @ जागरूक जनता। पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की बीकानेर इकाई द्वारा दिए जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर की गई। प्रसार के प्रदेश उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय) हरि शंकर आचार्य ने बताया कि इस वर्ष का घनश्याम गोस्वामी स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक बाल मुकुंद ओझा को दिया जाएगा। इसी प्रकार किशन कुमार व्यास 'आजाद' स्मृति जनसंपर्क रत्न अवार्ड विभाग के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक अमर सिंह चौहान को अर्पित किया जाएगा।

एसकेआरएयू में दशक बाद कैंपस प्लेसमेंट शुरू

बीकानेर @जागरूक जनता। एसकेआरएयू के संघटक कॉलेजों में दशक बाद कैंपस प्लसमेंट शुरू हुए है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने बताया कि कृषि महाविद्यालय बीकानेर में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत की। जिसमें 40 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी. के. यादव ने बताया कि इस प्लेसमेंट के लिए घरडा केमिकल्स के जोनल मैनेजर मार्केटिंग डॉ. एल. के. दाधीच और एरिया सेल्स इंचार्ज अनिल ढाका ने कंपनी प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहकर कम्पनी मानकानुसार लिखित परीक्षा करवाई और ग्रुप चर्चा का आयोजन किया। कंपनी अब जल्द ही स्टूडेंट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाएगी।

देशमी में पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित

टोंक @ जागरूक जनता। केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर के तकनीकी स्थानांतरण विभाग द्वारा देशमी गांव में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें गांव में उपलब्ध भेड़-बकरी, गाय, भैंस आदि सभी पशुओं का अविकानगर संस्थान के पशु चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया। संस्थान निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर ने पशुपालकों को आवश्यक मौसम आधारित सुझाव दिये और पशु स्वास्थ्य पर चर्चा की। इस मौके पर पशु स्वास्थ्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा.जीजी सोनावाणे, टीओटीएसएस के प्रभारी डा.लीलाराम गुर्जर, डा. रणजीत गोदारा डा.सृष्टि सोनी और तकनीकी अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा संस्थान में राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, उड़ीसा एवं आंध्र प्रदेश के 45 पशुपालक किसानों (44 पुरुष एवं 1 महिला) का आठवा बैच को व्यवसायिक भेड़- बकरी एवं खरगोश पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में केड फाउंडेशन द्वारा पांच दिवसीय प्रशिक्षण उदयपुर मे ओर दो दिवसीय प्रशिक्षण अविकानगर मे आयोजित किया गया।

लींची, जैविक पोल्ट्री, मका और मशरूम पर होगा स्मार्ट वर्क

उदयपुर @ जागरूक जनता। महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय आगामी वर्षो में दक्षिणी राजस्थान के किसानों की आय बढौतरी के लिए बिहार की लींची को मेवाड़ में जगह देगा। वहीं, जैविक पोल्ट्री, मक्का और मशरूम के क्षेत्र में भी स्मार्ट वर्क करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने विश्वविद्यालय का यह विजन नई दिल्ली में आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक की अध्यक्षता में आयोजित में बैठक में रखा। ऑन-लाइन हुए इस विस्तृत संवाद में कृषि विश्वविद्यालय जोरहाट (असम) के कुलपति डॉ. बिद्युत चंदन डेका और महाराष्ट्र पशु विज्ञान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, नागपुर के कुलपति डॉ. नितिन वी. पाटिल ने भी अपने विश्वविद्यालय का आगामी वर्षों का विजन साझा किया। संवाद के दौरान में आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर. सी. अग्रवाल भी मौजूद थे।

30 जून तक चुकाएं फसली ऋण

जयपुर @ जागरूक जनता। सरकार ने खरीफ सीजन में सहकारी समितियों के माध्यम से लिए गए ब्याज मुक्त अल्पकालीन सहकारी फसली ऋण की भुगतान अवधि बढ़ाकर 30 जून कर किसानों को राहत दी है। प्रदेशभर में किसान खरीफ सीजन के दौरान फसलों में नुकसान के चलते 31 मार्च तक सहकारी ऋण का भुगतान नहीं कर पाए थे। भारतीय किसान संघ ऐसे किसानों के लिए ऋण भुगतान की अवधि बढ़ाने की लगातार मांग कर रहा था। सगठन की ओर से प्रदेश सरकार को पत्र भी लिखे गए थे। सरकार की ओर से ब्याज मुक्त सहकारी फसली ऋण भुगतान की अवधि को बढ़ाया गया है। किसान 31 मार्च तक ऋण का भुगतान नहीं कर पाए थे। इससे ऋण पर ब्याज लगने और ऋण खाते ओवरड्यू होने का खतरा हो गया था। इस छूट से किसानों को राहत मिलेगी।

मनरेगा श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश

जयपुर @ जागरूक जनता। लोकसभा आम चुनाव में मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान दिवस 26 अप्रैल को होने वाले मतदान दिवस पर सभी मनरेगा श्रमिकों का सवैतनिक अवकाश रहेगा। सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत मनरेगा श्रमिकों को मतदान दिवस 26 अप्रैल के दिन सवैतनिक अवकाश देय होगा।

एआईईईए पीजी के आवेदन शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा प्रवेश (आईसीएआर एआईईईए 2024) स्नातकोत्तर के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आईसीएआर एआईईईए पीजी के लिए आवेदन कर सकते हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया चल रही है और 11 मई, 2024 फॉर्म भरने की अंतिम तिथि है। योग्य उम्मीदवार तय समयसीमा के भीतर अपना आवेदन पत्र भरकर जमा कर दें। उम्मीदवार 13 मई से 15 मई तक अपने आईसीएआर एआईईईए पीजी आवेदन पत्र को ऑनलाइन संपादित कर सकेंगे। आधिकारिक तिथियों के अनुसार आईसीएआर एआईईईए पीजी परीक्षा 29 जून को आयोजित की जाएगी।

शुरू हो गए नेट के लिए रजिस्ट्रेशन, हेल्पलाइन नंबर भी हुआ जारी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। यूजीसी नेट देने वाले छात्रों के लिए बड़ी खबर है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने यूजीसी नेट परीक्षा (जून) के लिए आवेदन मांगे हैं। रजिस्ट्रेशन लिंक ओपन हो गया है, इच्छुक छात्र जल्द अप्लाई करें। आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन है। ऐसे छात्र जो यूजीसी नेट (UGC NET) के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वो आधिकारिक वेबसाइट ugcnet.nta.ac.in. पर जाकर अप्लाई करें। इस वेबसाइट की मदद से आप अधिक जानकारी भी पा सकते हैं।

यूजीसी नेट जून परीक्षा 2024 के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो आवेदन शुल्क जान लें। अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवार के लिए आवेदन शुल्क 1150 रुपये है। एससी, एसटी, दिव्यांग श्रेणी के लिए फीस 325 रुपये है। आवेदन शुल्का का भुगतना क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है।

यूजीसी नेट के लिए आवेदन 20 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं जबकि आखिरी तारीख 10 मई 2024 है। आवेदन शुल्क जमा करने के लिए आखिरी तारीख 11-12 मई है। वहीं करेक्शन विंडो 13 मई को खुलेगी, जबकि 15 मई को बंद हो जाएगी। यदि किसी छात्र को फॉर्म भरने में कोई परेशानी होती है तो वे एनटीए द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर (NTA Helpline Number For UGC NET) 011 – 40759000/ 011 - 69227700 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा भी आप ugcnet@nta.ac.in. पर संपर्क कर सकते हैं।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

लोकसभा-2024 : करीब 58 फीसदी रहा मतदान पहले चरण में उत्साह के साथ निभाई भागीदारी

महिला, युवा, बुजुर्गों और दिव्यांगों ने डाले वोट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार को राजस्थान की 12 सीटों पर मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक करीब 58 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि ये अभी फाइनल आंकड़ा नहीं है, आयोग के ऐप वोटर टर्नआउट में यह फिगर लगातार बढ़ रहा है। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक राजस्थान की 12 सीटों पर वोटिंग फिगर 61 फीसदी तक जा सकता है। साल 2019 में इन सीटों पर 64.68 और साल 2014 में 61.66 प्रतिशत मतदान हुआ था।

नागौर के कुचेरा में भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा और इंडिया गठबंधन (आरएलपी) के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल के समर्थक भिड़ गए। कुचेरा नगर पालिका के अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा के सिर में चोट लगी। चूरू में सादुलपुर के गांव रामपुर रेणु गांव में फर्जी मतदान की शिकायत पर दो लोगों ने पोलिंग एजेंट का सिर फोड़ दिया। झुंझुनूं में भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी की सुरक्षाकर्मी से बहस हो गई। वहीं चूरू में विधायक हरलाल सहारण की पुलिसकर्मी से कहासुनी हो गई। उन्होंने पुलिसकर्मी को बाड़मेर ट्रांसफर कराने की धमकी तक दे डाली। इससे पहले वोट डालने के लिए लोगों में अच्छा-खासा उत्साह देखने को मिला था। हालांकि कुछ जगह लोगों ने स्थानीय समस्याओं के चलते मतदान का बहिष्कार भी किया था। यूके, कनाडा से भी अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) वोट डालने पहुंचे थे।

भरतपुर सीट : 52.69% हुई वोटिंग

भरतपुर लोकसभा सीट पर 52.69 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे कम वोटिंग डीग-कुम्हेर में और सबसे ज्यादा वोट कामां विधानसभा में डाले गए। वोटिंग ख़त्म होने के बाद पोलिंग पार्टियां ईवीएम मशीनें सील कर एमएसजे कॉलेज पर पहुंच रही हैं। एमएसजे कॉलेज में ही काउंटिंग की जाएगी। जहां भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 8 विधानसभा में मतदान शांतिपूर्ण रहा। रूपवास के खेरिया बिल्लोच गांव में शराब के ठेके को हटाने की मांग को लेकर 6 घंटे देरी से मतदान शुरू हुआ। वहीं डीग जिले इकलेहरा गांव में चोरियों का खुलासा नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। करीब 30 मिनट की समझाइश के बाद वोटिंग शुरू की गई। भरतपुर नगर निगम स्थित पोलिंग बूथ पर ईवीएम

मशीन खराब हो गई। वोट देने आए लोगों ने हंगामा कर दिया। कई लोग बिना वोट दिए ही लौट गए। एक घंटे बाद रिजर्व मशीन मंगवाकर वोटिंग शुरू कराई गई। पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने भरतपुर में पक्का बाग स्थित पोलिंग बूथ पर मतदान किया। भरतपुर में रूपवास के खेरिया बिल्लोच के बूथ संख्या 264 पर करीब 6 घंटे बाद मतदान शुरू हो सका। यहां सुबह से किसी भी ग्रामीण ने वोट नहीं डाला था। प्रशासन के समझाने के बाद दोपहर में 1 बजे बाद वोटिंग शुरू हुई। सभी अधिकारी बूथ पर मौजूद हैं। ग्रामीणों की मांग है कि गांव से शराब का ठेका हटाया जाए। ठेका हटाने का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने वोट

झुंझुनूं : ग्रामीणों का वोटिंग का बहिष्कार

झुंझुनूं। झुंझुनूं लोकसभा सीट पर पहले चरण के लिए मतदान शुरू हो गया है। झुंझुनूं लोकसभा सीट पर शाम 5 बजे तक 44.97 फीसदी मतदान हुआ। 6 बजे 51.62 प्रतिशन रहा। झुंझुनूं में 48.46, फतेहपुर 46.52, खेतड़ी 40.84 मण्डावा 48.24, नवलगढ 42.45, पिलानी 43.54, सूरजगढ़ 42.76 तथा उदयपुरवाटी में 46.78 प्रतिशत मतदान हुआ है। पिलानी क्षेत्र के धींधवा के ग्रामीणों ने वोटिंग का बहिष्कार किया। गांव में पानी की समस्या को लेकर वोट नहीं डालने का फैसला लिया। अभी तक गांव में एक भी वोट नहीं डाला गया है। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाइए की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीण पानी की मांग को लेकर वोटिंग का बहिष्कार कर रहे हैं झुंझुनूं में चुनाव आयोग के नियमों की

अनदेखी सामने आ रही है। वोट डालते समय के कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं। फेसबुक और वॉट्सऐप पर स्टेटस भी लगा रहे हैं। कई वीडियो सामने आ चुके हैं। एक के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया डाले जा रहे हैं। मतदान कक्ष में ईवीएम मशीन के साथ वीडियोग्राफी पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। पिलानी के 10 बूथों पर मतदान बहिष्कार की सूचना के बाद हमीनपुर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी ने लोगों को समझाया। आंदोलन कर रहे ग्रामीण नहीं माने। पिलानी विधायक पितराम काला को लोगों ने खरी खोटी सुनाई। विधायक काला से कहा- आप अब तक कहां थे।

धौलपुर-करौली सीट

धौलपुर-करौली सीट पर मतदान शांतिपूर्ण हो गया। शाम 6 बजे तक लोकसभा क्षेत्र में 49.29 प्रतिशत मतदान हुआ। सर्वाधिक वोटिंग धौलपुर विधानसभा में 55.41 प्रतिशत और सबसे कम सपोटरा में 43.20 प्रतिशत मतदान हुआ। टोडाभीम में 46.30 फीसदी, बाड़ी विधानसभा में 51.25 फीसदी, बसेड़ी में 50.10 फीसदी, हिंडौन में 50 फीसदी मतदान हुआ।

सीकर : बुजुर्ग और नव-मतदाताओं में दिखा उत्साह

सीकर लोकसभा के लिए हुए चुनाव में शाम 5 बजे तक 48.68 वोटिंग हुई। यहां नव-मतदाताओं से लेकर बुजुर्ग वोटर्स में उत्साह नजर आया। सुबह 6 बजकर 1 मिनट पर एक पोलिंग बूथ पर पहुंचे युवक के लिए गेट खोला गया। जहां उसने सबसे पहले वोट दिया। इसी प्रकार वोटिंग खत्म होने के एक मिनट पहले पहुंची 90 साल की बुजुर्ग महिला ने आखिरी वोट दिया। आखिरी वक्त पर कुछ लोग भागते हुए वोट डालने पहुंचते नजर आए। सिर्फ एक मिनट पहले एसके कॉलेज में 90 साल की बुजुर्ग महिला पहुंची। ठीक 6 बजे बूथों का गेट बंद कर दिया गया। दोपहर के समय बूथों पर सन्नाटा

पसरा हुआ रहा। सुबह मतदान की स्पीड तेज थी। मतदान के लिए मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। ग्रुपों में महिलाएं वोट डालने आई तो कोई परिवार सहित पहुंचा। वहीं नव-विवाहित जोड़े भी पहुंचे। सीकर का युवक मतदान के लिए स्पेशल कनाडा से आया।

बीकानेर लोकसभा में हुआ 53.96% मतदान

बीकानेर लोकसभा सीट पर शाम 5:30 बजे तक 48.87 प्रतिशत मतदान रहा। वहीं 6बजे बढ़कर 53.96% हो गया। बीकानेर वेस्ट से ट्रांसजेंडर श्यामोली बाई और मुस्कान बाई ने भी वोट दिया। सुबह मतदान की गति अच्छी रही। लेकिन दोपहर में गर्मी बढ़ने के साथ ही बूथों पर सन्नाटा रहा। बीकानेर के डाइयां और नोखा के दासनु गांव में मतदान का बहिष्कार किया गया। मतदाताओं का कहना था कि उनकी मूतभूत समस्याओं की सुनवाई नहीं

हुई। वहीं दूसरी ओर बड़े-बुजुर्गों के साथ ही पहली बार वोट देने वालों में उत्साह नजर आया। वहीं लंदन से बीकानेर आकर एक आईटी कंसलटेंट ने वोट दिया। शाम 6 बजे बूथों का गेट बंद कर दिया गया।

नागौर : शाम 6 बजे तक 56.89 प्रतिशत मतदान

नागौर लोकसभा क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 49.64 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं एक घंटे बाद 56.89 प्रतिशत रहा। यहां नावां में 51.21, परबतसर -44.73, नागौर -55.37, मकराना -52.60, डीडवाना -46.75, जायल-48.35, लाडनूं -44.95 और खींवसर में 52.50 प्रतिशत मतदान हुआ। दोपहर 3 बजे तक 41.56 प्रतिशत मतदान हुआ था। नागौर लोकसभा क्षेत्र के नावां में 41.68, परबतसर -40.28, नागौर -46.64, मकराना -44.11, डीडवाना -38.91, जायल-40.07, लाडनूं में 37.63 प्रतिशत और खींवसर में 42.84 प्रतिशत मतदान हुआ। 1 बजे तक कुल 33.86 प्रतिशत मतदान हुआ। नावां

में -34.61 प्रतिशत, परबतसर -33.41, नागौर -37.98, मकराना -35.78, डीडवाना -32.67, जायल-32.57, लाडनूं -30.04 और खींवसर में 33.67 प्रतिशत मतदान हुआ। सुबह 11 बजे तक नागौर नावां में 22.81 प्रतिशत मतदान हुआ।

अलवर सीट

अलवर लोकसभा सीट पर शाम 6 बजे तक 59.79 प्रतिशत मतदान रहा। शाम 6 बजे वोटिंग खत्म होने के 5 मिनट पहले बूथ पर कर्मचारी आवाज लगाकर मतदाताओं को बुलाते नजर आया। 6 बजते ही गेट बंद कर दिए गए। पूर्व सांसद व तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ ने भी सुबह साढ़े 8 बजे वोट दिया। इस सीट पर यादव उम्मीदवारों ने ही सबसे ज्यादा बार जीत हासिल की है।

श्रीगंगानगर

राजस्थान और पंजाब की सीमा पर बसे अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित श्रीगंगानगर लोकसभा क्षेत्र में शुक्रवार को मतदान हुआ। सुबह 7 बजे शुरू हुई वोटिंग शाम 6 बजे जारी रही। प्रदेश में शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा वोटिंग श्रीगंगानगर लोकसभा सीट पर 60.29 प्रतिशत वोटिंग हुई। सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 62, श्रीगंगानगर में 58.31, श्रीकरणपुर में 60.71, सूरतगढ़ में 58.5, रायसिंहनगर में 61.23, संगरिया में 60.41, हनुमानगढ़ में 59.79, पीलीबंगा में 61.29 प्रतिशत मतदान हुआ है। श्रीगंगानगर के पोलिंग बूथ पर अंतिम समय में लोग वोट डालने पहुंचे।

दौसा : वोट डालने से पहले किया डांस और बाद में भी नाचे

दौसा लोकसभा सीट के लिए पहले चरण में मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ। यहां वोटर्स में खासा उत्साह नजर आया। वे नाचते हुए वोट डालने पहुंचे। यहां कुल 55.21% मतदान हुआ। यहां दौसा में 49.39, बस्सी 51.78, चाकसू 47.36, बांदीकुई 47.75, सिकराय 45.33, महवा 43.65, लालसोट 39.42, थानागाजी में 44.10 प्रतिशत मतदान किया गया। दोपहर 3 बजे तक 38.36 प्रतिशत मतदान हुआ। दौसा में 41.41 प्रतिशत, बस्सी 43.41, चाकसू 39.97, बांदीकुई 41.12, सिकराय 37.85, महुवा 35.86, लालसोट में 32.77 प्रतिशत और थानागाजी में 34.90 प्रतिशत मतदान हुआ है। इससे पहले 1 बजे तक 31.29% वोटिंग हो चुकी थी। बांदीकुई 34.21%, बस्सी 34.96%, चाकसू 34.21%, दौसा 33.08%, लालसोट 25.50%, महुवा 29.56%, सिकराय 30.65% और थानागाजी में 28.63% वोटिंग हुई। सुबह 11 बजे तक 20.88 % वोटिंग हुई। क्षेत्र के बांदीकुई में 23.02% मतदान हुआ।

चूरू : लापरवाही बरतने पर हुआ निलंबन

चूरू लोकसभा सीट पर शाम 6 बजे तक लोकसभा क्षेत्र में 62.98 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के बाद कर्मचारियों ने सेंट्रल स्कूल में ईवीएम मशीन जमा कराई। चुनाव में लापरवाही बरतने पर जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पा सत्यानी ने तारानगर बीसीएमओ डॉ. चंदन सिंह और शिक्षक रामचंद्र को निलंबित किया है। बीसीएमओ पर दायित्व निर्वहन में लापरवाही और बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने का आरोप है। वहीं शिक्षक रामचंद्र पर सिरसला स्थित मतदान केंद्र 78 पर शराब पीकर लोगों से दुर्व्यवहार करने का आरोप है।

शांतिपूर्ण, सफल और सुव्यवस्थित मतदान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

लोकसभा आम चुनाव-2024 के प्रथम चरण के तहत प्रदेश के गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझूनूं, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में शुक्रवार को आमतौर पर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान संपन्न हुआ। इन 12 निर्वाचन क्षेत्रों के 24,370 मतदान केंद्रों पर नव विवाहित जोड़ों, दिव्यांग, थर्ड जेंडर, आदिवासियों, वृद्धों और युवाओं सहित सभी मतदाताओं ने मतदान में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इन क्षेत्रों में रूप से 57.87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। फॉर्म 17ए की जांच के बाद 20 अप्रैल तक ही अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़े प्राप्त हो सकेंगे। शाम 6 बजे तक भी मतदाताओं की लंबी कतारें लगी थीं।

होम वोटिंग के तहत 98% से अधिक हुआ मतदान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निर्वाचन विभाग की ओर से 85 वर्ष एवं अधिक आयु के वृद्धजन और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं के लिए आयोग की ओर से होम वोटिंग की सुविधा प्रदान की गई थी। इन 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 36,557 (85 वर्ष से अधिक आयु के 27,443 एवं 9,114 दिव्यांग) मतदाताओं ने फॉर्म 12-डी भर कर घर से ही मतदान की सुविधा का लाभ लेने के लिए आवेदन किया था। इनमें से 36,139 जीवित मतदाताओं में से कुल 35,526 (85 वर्ष से अधिक आयु के 26,570 एवं 8,956 दिव्यांग) मतदाताओं ने मतदान किया। इस तरह करीब 98.30 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने इस सुविधा का लाभ लिया। 1,19,496 मतदान कार्मिकों ने फेसिलिटेशन सेंटर्स पर पोस्टल बैलट से मतदान किया।

नव मतदाताओं ने डाली लोकतंत्र उत्सव में आहुति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

प्रदेश की 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 7,98,520 मतदाताओं ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया था। इन मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए मतदान केंद्रों पर सेल्फी बूथ बनाए गए थे। साथ ही, 'स्याही लगी अंगुली' दिखाने पर विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की खरीद पर डिस्काउंट तथा कई मतदान केंद्रों पर प्रथम मतदाताओं स्क्रैच कार्ड के माध्यम से उपहार दिए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को सर्टिफिकेट भी दिए गए। मतदान करने के बाद सेल्फी बूथ पर सेल्फी लेकर सीईओ राजस्थान की वेबसाइट पर अपलोड करने पर डिजिटल सर्टिफिकेट दिया गया। नए वोटर्स में पहली बार मतदान करने को लेकर खासा उत्साह नजर आया।

12,680 केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग से निगरानी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

लोकसभा चुनाव के दौरान 12,680 मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रक्रिया की लाइव वेब कास्टिंग करवाई गई। रिटर्निंग अधिकारी, जिला एवं राज्य स्तर पर और भारत निर्वाचन आयोग के स्तर पर वेब कास्टिंग की मॉनटरिंग की गई। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में केन्द्रीय पुलिस बल और माइक्रो ऑब्जर्वर लगाए गए। सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के सुविधा को ध्यान में रखते हुए रैम्प, पीने के पानी, छाया, व्हीलचेयर और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए वाहन सहित अन्य व्यवस्थाएं की गईं। साथ ही, मतदाताओं की सहायता के लिए हर मतदान केन्द्र पर वॉलन्टियर्स तैनात किए गए। भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर लोकतंत्र के उत्सव में युवाओं, महिलाओं और दिव्यांगों की भागीदारी उल्लेखनीय रही।

किरोड़ी ने सचिन के बयान पर किया पलटवार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान संपन्न हुआ। प्रदेश की 12 सीटों पर मतदान के दौरान दोनों ही पार्टियों के बड़े नेताओं ने अपने प्रत्याशी के जीत के दावे किए। वहीं दौसा लोकसभा सीट पर मतदान करने के बाद भाजपा ने वरिष्ठ नेता और राजस्थान सरकार के मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट को ईआरसीपी के मुद्दे पर जमकर घेरा।

किरोड़ी ने कहा कि सचिन पायलट का काम गुमराह करना है। ईआरसीपी को स्वीकृति मिल गई है। पीकेसी और ईआरसीपी को जोड़कर राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों को पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन सबपर अगर सचिन पायलट को शक था तो मुझसे सदन में सवाल करते। मैंने विधानसभा में सभी प्रश्नों का उत्तर दिया है। वो हवा में नहीं दिया।

मीणा ने कहा कि हमारे यहां 2 लाख 10 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी और 80 हजार हेक्टेयर भूमि को नए सिरे से सिंचाई के लिए तैयार करेंगे। वहीं इस परियोजना के तहत उद्योगों के लिए 25 फीसदी पानी मिलेगा। यह क्षेत्र आने वाले 20 साल में गुड़गांव बन जाएगा यहां आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थान आएंगे।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान संपन्न, दोनों दलों की ओर से मतदाताओं को दिया गया धन्यवाद

भाजपा-कांग्रेस नेताओं ने किए अपनी जीत के दावे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

प्रदेश में लोकसभा चुनावों के प्रथम चरण के मतदान समाप्त होते ही भाजपा और कांग्रेस के नेता अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के जीतने के दावे कर रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश के मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व आमचुनाव में हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कहीं भी भाजपा अथवा मोदी की लहर नजर नहीं आई। डोटासरा बोले की कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के प्रयासों से कांग्रेस एवं इण्डिया

गठबंधन के समर्थक मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया जबकि भाजपा के खेमे में मायूसी का माहौल रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को नकारते हुए केन्द्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश में बढ़ रही महंगाई एवं बेरोजगारी तथा किसानों की आय दुगुनी करने के वादे को नहीं निभाने, युवाओं, महिलाओं, छोटे उद्यमियों के विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा कोई कार्य नहीं करने के मुद्दें पर भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध एवं कांग्रेस व इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज प्रथम चरण की 12 सीटों पर हुए मतदान के पश्चात् कांग्रेस पार्टी आश्वस्त है।

सभी सीटों पर किया जीत का दावा

वहीं दूसरी ओर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि राजस्थान ने तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को चुनने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व का प्रथम चरण शांतिपूर्ण संपन्न होने पर मतदाताओं का आभार जताया। जोशी ने कहा कि लोकसभा के प्रथम चरण में प्रदेश की जनता ने जिस उत्साह से मतदान किया है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश की सभी 25 सीटों पर भारी बहुमत से कमल खिलेगा।

जीत की लगेगी हैट्रिक : सीएम भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रथम चरण में 12 सीटों पर शुक्रवार को शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुए। उन्होंने प्रदेश की जनता का शांतिपूर्ण मतदान पर आभार जताया। उन्होंने विश्वास जताया कि निश्चित तौर पर जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्साहित है और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी जीत की हैट्रिक लगाएगी।

जागरूक खबरें

■ जय श्रीराम सुंदरकांड मंडल ने निकाली भव्य शोभायात्रा

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। कस्बे में जय श्री राम सुंदरकांड मंडल की ओर से बाबा के भव्य चांदी के दरबार के उपलक्ष में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। बाबा के चांदी के दरबार के श्रीविजयनगर में पहुंचने के उपलक्ष में इस यात्रा का आयोजन किया गया। 28 जीबी की पुलिया पर भव्य दरबार का स्वागत किया गया। इसके पश्चात शहर में शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान सुंदरकांड मंडल से जुड़े हुए गौरव बलाना, जॉनी बलाना, निखिल आहूजा, मनीष, मनीराम, कमल वधवा, रवि बेरीवाल सहित बड़ी संख्या में बाबा के भक्त व महिला मौजूद रहे।

■ भारत सरकार के केंद्रीय खाद्य मंत्रालय की टीम ने लिए आंशिक क्षतिग्रस्त गेहूं के सैंपल

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। शहर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात व तूफान के कारण गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। तूफान व बारिश के कारण गेहूं की फसल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त व चमकहीन हो गई। इस नुकसान का आकलन करने के लिए भारत सरकार के केंद्रीय खाद्य मंत्रालय की टीम तकनीकी अधिकारी राकेश बराला के नेतृत्व में धान मंडी पहुंची। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय की टीम ने 6 अलग-अलग ढेरियों से गेहूं के नमूने विश्लेषण के लिए एकत्रित किए हैं। गेहूं की जांच के पश्चात निर्धारित मापदंडों के अनुसार छूट प्रदान की जाएगी। मौके पर व्यापारसंघ अध्यक्ष देवीदयाल लखोटिया एफसीआई के महेंद्र सिंह, विक्रम काले व एफसीआई गुणवत्ता निरीक्षक गोविंद सिंह मौके पर मौजूद रहे।

■ दिव्यांगजनों ने दिया ट्राईसाइकिल रैली से मताधिकार का सन्देश

उदयपुर @ जागरूक जनता। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं नारायण सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को दिव्यांगजन ने ट्राईसाइकिल रैली के माध्यम से लोकसभा चुनाव के आगामी चरण में अधिकाधिक मतदान का आह्वान किया। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि ट्राई साइकिल रैली को संस्थान के सेक्टर 4 मुख्यालय पर निगम आयुक्त राम प्रकाश एवं जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी कीर्ति राठौड़ ने झंडी दिखाकर रवाना किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि रैली ने हिरण मंगरी के विभिन्न सेक्टरों में परिभ्रमण किया।

राष्ट्रीय तितली नामकरण 231 तितलियों के हिंदी नामों की पहली सूची जारी

अंगद, जटायु, रत्नमाला...भारतीय तितलियों को मिले हिंदी नाम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत में पाई जाने वाली तितलियों की 1,400 से ज्यादा प्रजातियों को अब उनके अंग्रेजी नामों के बजाय हिंदी नामों से पहचाना जाएगा। राष्ट्रीय तितली नामकरण सभा ने 231 तितलियों के हिंदी नामों की पहली सूची जारी की है। इनमें से कुछ तितलियों के नाम रामायण के किरदारों से प्रेरित हैं। मूल स्थान से जल्दी विस्थापित नहीं होने वाली तितली 'गोल्डन एंगल' का नाम 'अंगद' रखा गया है। इसी प्रजाति की स्पॉटेड एंगल को 'चित्तीदार अंगद', एलिदा एंगल को 'अलिदा अंगद' और गोल्डन एंगल को 'सुनहरा अंगद' के नाम से जाना जाएगा। नाम ऐसे रखे गए हैं, जिन्हें याद करना आसान हो। नाखून से छोटे आकार की ग्रास ज्वेल का नाम 'रत्नमाला' और 150 मीटर से ज्यादा पंख फैलाने वाली गोल्डन बर्डविंग का नाम 'रंगोली जटायु' रखा गया है। कॉमन बर्डविंग को 'बिंदी जटायु' और गोल्डन बर्डविंग को 'रंगोली जटायु' कहा जाएगा। भारत में तितलियों की खोज अंग्रेजों के जमाने में शुरू हुई थी, इसलिए उनके नाम अंग्रेजी में रखे गए। हिंदी में नाम रखने के लिए पिछले साल राष्ट्रीय तितली नामकरण सभा का गठन किया गया। इसमें वैज्ञानिक, पर्यावरणविद, भाषा विशेषज्ञ, वनाधिकारी समेत कई अन्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं। सभा दूसरे चरण में हिंदी भाषी क्षेत्रों में पाई जाने वाली प्रजातियों और तीसरे चरण में बाकी तितलियों के नाम रखेगी।

कुछ तितलियों के नाम रामायण के किरदार और बच्चों के नाम से प्रेरित

लाडली व छोटा मदन के साथ निंबुड़ा भी

कुछ तितलियों के ऐसे नाम रखे गए हैं, जो हिंदी भाषी क्षेत्रों में बच्चों के होते हैं। मसलन डार्लेट प्रजाति की तितली का नाम 'लाडली', स्मॉलर डोरलेट का 'छुटकी लाडली', स्मॉल क्यूपिड का 'छोटा मदन', कार्नेलियन का 'लल्लन', ग्रास ब्लूज का 'नीलू' और ग्रास डार्ट्स का 'घसियारा' रखा गया है। नींबू के पौधे पर लार्वा रखने वाली लाइम ब्लू को अब देश में 'निंबुड़ा' नाम से पहचाना जाएगा।

पारिस्थितिकी तंत्र में अहम योगदान

सभा की सदस्य पर्यावरणविद धारा ठक्कर का कहना है कि बेहद छोटे जीवनकाल वाली तितलियां पारिस्थितिकी तंत्र और खाद्य चक्र में विशेष भूमिका निभाती हैं। कंक्रीट के जंगलों के बीच जहां हरा-भरा वातावरण है, वहां तितलियां अपने आप आने लगती हैं। ये हवा, पानी और मिट्टी को शुद्ध करती हैं। तितलियां कई हजार किलोमीटर तक प्रवास कर सकती हैं।

वायनाड भी राहुल को छोड़ना पड़ेगा : मोदी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव हारने जा रहे हैं। 26 अप्रैल को वहां वोटिंग के बाद गांधी और उनकी टोली एक दूसरी सुरक्षित सीट की तलाश करेगी। मोदी ने कहा कि अमेठी के बाद राहुल गांधी को वायनाड भी छोड़ना पड़ेगा। महाराष्ट्र के नांदेड़ और परभणी में चुनावी रैलियों में पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है। पीएम ने कांग्रेस को एक ऐसी बेल बताया, जिसकी अपनी कोई जड़ या जमीन नहीं है। वह सहारा देने वाले को ही सुखा देती है। उन्होंने लोगों से विकसित भारत और विकसित महाराष्ट्र के लक्ष्यों को साकार करने के लिए विपक्षी गठबंधन से सतर्क रहने को कहा। उन्होंने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा, 'कांग्रेस के शहजादे को वायनाड में संकट दिख रहा है। शहजादे और उनकी टोली 26 अप्रैल को वायनाड में मतदान का इंतजार कर रही है। जैसे ही 26 अप्रैल को वायनाड में मतदान पूरा हो जाएगा वे शहजादे के लिए एक और सुरक्षित सीट की तलाश करेंगे। उन्हें अमेठी के बाद वायनाड भी छोड़ना होगा।' पीएम मोदी ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए है। नतीजे आने के बाद विपक्षी गठबंधन के सदस्यों के बीच लड़ाई छिड़ जाएगी।

कहा, नतीजे से पहले ही कांग्रेस ने हार स्वीकारी

विपक्षी गठबंधन स्वार्थी दलों का गुट : PM

चुनावी तेवर शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ और परभणी में चुनावी रैलियां की। उन्होंने कांग्रेस की भी आलोचना की।

भ्रष्टाचार का स्कूल चला रहे PM : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनावी बॉण्ड से जुड़े मुद्दे पर आरोप लगाया है कि पीएम करप्शन का स्कूल चला रहे है। साथ ही चंदे का धंधा समेत हर चैप्टर वह खुद विस्तार से पढ़ा रहे है। उन्होंने अपनी पार्टी की ओर से जारी एक विडियो विज्ञापन सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर किया। उसमे राहुल गाधी ने चुनावी बॉण्ड का जिक्र किया है।

राहुल गांधी

दूरदर्शन के लोगो पर विपक्ष हमलावर

देश के पब्लिक ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन न्यूज ने हाल ही में अपने लोगो का रंग बदल दिया है। इसे लाल रंग से नारंगी में बदला गया है। इसकी विपक्षी दलों ने आलोचना की है। पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ने इसे अनैतिक बताया। राज्यसभा सदस्य जवाहर सरकार ने कहा कि इसका भगवाकरण ठीक नही है।

पश्चिम बंगाल की CM ने इसे अनैतिक करार दिया

सौम्या के दोषियों की ज़मानत को चुनौती

जागरूक @नई दिल्ली: टीवी जर्नलिस्ट सौम्या विश्वनाथन की हत्या मामले में दोषी चार मुजरिमो को दी गई जमानत के खिलाफ सौम्या की मां ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 12 फरवरी को रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत सिंह मलिक और अजय कुमार की सजा निलंबित कर दी थी। साथ ही उन्हे उनकी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली अपीलों के लंबित रहने तक जमानत दे दी। हालांकि कपूर, शुक्ला और मलिक को 2009 के जिगीशा घोष मर्डर केस में भी दोषी करार दिया गया था। इस कारण वे जेल में है। सौम्या की 2008 मे हत्या कर दी गई थी।

सौम्या

नए कानूनों पर CJI ने कहा, भारत बदल रहा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि संसद के तीनो आपराधिक कानूनों में किए गए बदलाव इस बात के साफ संकेत है कि भारत बदल रहा है। उन्होंने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है और मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है। चीफ जस्टिस ने नए आपराधिक कानूनों के अधिनियमन को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि भारत अपने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। 'क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर सम्मेलन में उन्होंने ये बाते कही। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि ये नए कानून तभी सफल होंगे जब हम नागरिक के तौर पर उन्हें अपनाएं। नए कानून ने क्रिमिनल जस्टिस पर भारत के कानूनी ढांचे को नए युग में पहुंचा दिया है। तीनों कानून एक जुलाई से अमल मे आ जाएंगे। हिट ऐंड रन से जुड़े प्रावधान के अमल पर रोक रहेगी।

डी. वाई. चंद्रचूड़

CM की इंसुलिन पर AAP-BJP आमने-सामने

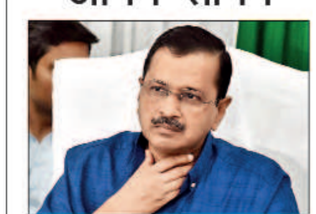

दिल्ली के CM अरविंद केजरीवाल

जेजे@ नई दिल्ली: AAP ने आरोप लगाया कि जेल में इंसुलिन रोककर सीएम अरविंद केजरीवाल को धीमी मौत देने की साजिश रची जा रही है। पार्टी ने तिहाड़ जेल प्रशासन की ओर से बताए जा रहे सीएम के शुगर लेवल पर भी संदेह जताया। AAP के सीनियर नेता सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को कहा कि केजरीवाल को जेल में दवा नहीं दी जा रही है। उन्होंने जेल अथॉरिटी के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोर्ट के निर्देश पर सीएम को जेल में मशीन लगाई गई है, जिसके जरिए नियमित रूप से उनके शुगर लेवल को मॉनिटर किया जा रहा है। केजरीवाल खुद बार-बार डॉक्टर से कह रहे है कि उनका शुगर लेवल बढ़ रहा है। उन्हें इंसुलिन दिया जाए। मगर, डॉक्टर और जेल प्रशासन इंसुलिन देने से मना कर रहे है। सौरभ ने सवाल कि क्या ऐसे जेल प्रशासन पर भरोसा किया जा सकता है, जिसके DG LG को रिपोर्ट कर रहे है। प्रदेश BJP अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जेल की रिपोर्ट के मुताबिक, तेलंगाना के किसी डॉक्टर की सलाह पर केजरीवाल कई महीनों से इंसुलिन नही ले रहे थे। जेल के किसी डॉक्टर ने उन्हें इंसुलिन दिए जाने की सिफारिश भी नही की है। जेल मे शुगर की दवाइयो की कोई कमी नही है।

BJP बोली, कई महीने से इंसुलिन नहीं ले रहे केजरीवाल

CUET-UG एग्ज़ाम (Exam) सात दिनों में पूरा होगा, 15 सब्जेक्ट्स ऑफलाइन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली : नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने 2024 में होने वाले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET-UG) की डेटशीट जारी कर दी है। इस बार एजेंसी ने बड़ा फैसला लेते हुए उन विषयो मे ऑफलाइन परीक्षा लेने का फैसला किया है, जिनमे ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए थे। इस तरह 15 विषयो की ऑफलाइन यानी पेन एंड पेपर मोड मे एग्जाम करने का फैसला किया है। इसका असर यह होगा कि एक ही शिफ्ट मे एक बड़े पेपर की परीक्षा हो जाएगी। NTA ने एग्जाम के लिए 10 दिन की विंडो 15 से 24 मई तय की है। इसमे सात दिन पेपर होंगे। 16 शिफ्ट मे सभी 63 विषयो की परीक्षा पूरी हो जाएगी। सभी कैंडिडेट्स को एक समान क्वेश्चन पेपर मिलेगा। 48 विषयो की परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) मोड मे होगी। 2023 मे एक महीने से भी ज्यादा तक एग्जाम चला था। 34 दिनों मे 93 शिफ्ट मे पेपर हुए थे।

इन विषयों की ऑफलाइन परीक्षा

केमिस्ट्री, बायॉलजी, इंग्लिश, जनरल टेस्ट, इकनॉमिक्स, हिंदी, फिजिक्स, मैथमैटिक्स, ज्यॉग्राफी, फिजिकल एजुकेशन, बिजनेस स्टडीज, अकाउंट्स, इतिहास, पॉलिटिकल साइंस, सोशियोलजी समेत कुल 15 पेपर ऑफलाइन होंगे। हिंदी और इंग्लिश को छोड़कर बाकी सभी लैंग्वेज के पेपर कप्यूटर बेस्ट टेस्ट मोड मे होंगे। इस बार इंग्लिश मे 10 लाख से भी ज्यादा आवेदन आए है। 261 यूनिवर्सिटी मे NTA स्कोर पर एडमिशन होगा।

पीले चावल देकर की मतदान करने की अपील

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले के सभी चिकित्सा संस्थानो पर ओपीडी में आये रोगियो एंव उपस्थित स्टॉफ को मतदान की शपथ दिलवाई गई। लोकतंत्र के महावपर्व में भागीदारी सुनिष्चित करने के लिये चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग द्वारा पीले चावल देकर 26 अप्रेल को अनिवार्यतः पोलिंग बुथ पर पहुच मतदान करने की अपील की गई।

रैली पूर्व डॉ तारा चन्द गुप्ता, मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी ने छात्राओ का मत के अधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलवायी गयी। रैली को डॉ गुप्ता ने हरि झण्डी दिखा कर रवाना किया।

डॉ गुप्ता ने बताया कि जिला नर्सिंग प्रषिक्षण केन्द्र की छात्राओ द्वारा सीएमएचओ कार्यालय से कलेक्ट्री चौराहा तक मतदाता जागरूकता बैनर के साथ रैली निकाल कर आमजन से निर्भिक होकर निष्पक्षता पूर्वक मतदान करने की अपील की। छात्राओ की कलेक्ट्रेट चौराहा, स्टेट बैंक के सामने एंव विनायक होटल के सामने, नगर परिषद् के सामने चार टोलिया बना कर निमत्रंण स्वरूप पीले चावल दे कर मतदान प्रतिषत में वृद्धि हेतु मत का प्रयोग करने एंव वोट डालने के लिये प्रेरित किया गया, उन्हे मतदान के लिये जागरूक किया गया। शपथ एंव रैली में खुषवन्त कुमार हिण्डोनिया, डाटा मैनेजर अनिल जॉर्ज, कमलेष धाकड, कमलेष शाक्यवाल, मल्लिका शेख आदि उपस्थित रहें।

मोटे मुनाफे के नाम पर ₹46 लाख ठगे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ग्रेटर फरीदाबाद मे एक बुजुर्ग को मोटे मुनाफे का लालच देकर शेयर बाजार मे निवेश कराया गया। इस चक्कर मे बुजुर्ग ने 46.20 लाख रुपये गंवा दिए। साइबर थाना पुलिस ने उनकी शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-82 मे रहने वाले एक बुजुर्ग ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि उन्हे फेसबुक पर एक लिंक दिखाई दिया। उस पर क्लिक करने पर एक वट्सऐप ग्रुप से जोड़ दिया गया। इस ग्रुप मे दूसरे लोग भी थे। वे आपस मे चैट करते थे और बताते थे कि उन्हे कैसे मुनाफा हो रहा है। यह देख उन्होंने भी निवेश किया, लेकिन पैसे मांगने पर नही मिले। बुजुर्ग ने पहले दो लाख रुपये निवेश किए। इसके बाद और निवेश करते चले गए।

शेयर बाजार के नाम पर निवेश कराया था

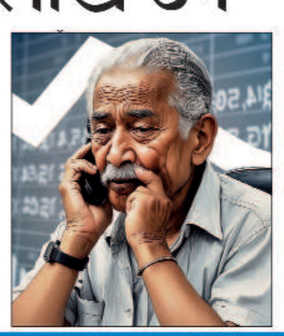

ठगी से बचने के लिए ऐसे रहें सतर्क

साइबर ठगी होने की स्थिति मे तुरंत 1930 नबर पर कॉल करे। किसी भी विदेशी नबर से मेसेज आता है तो उसे नजरअंदाज करे। किसी भी अंजान नबर से निवेश के लिए कॉल आए तो उसे तुरंत काट दे। मोबाइल पर किसी को अकाउंट की जानकारी न दे।

मस्क ने भारत की अपनी यात्रा टाली

जागरूक जनता @नई दिल्ली : टेस्ला के CEO इलॉन मस्क ने शनिवार को कहा कि उन्होंने भारत यात्रा कंपनी से जुड़े कामो के कारण टाल दी है। वह इसी महीने भारत आने वाले थे। उन्होंने 'एक्स' एक पोस्ट के जवाब मे कहा, 'टेस्ला से जुड़े बहुत भारी दायित्वों के कारण भारत की यात्रा टाल दी है, लेकिन मैं इसी साल यात्रा के लिए बहुत उत्साहित हूं।' पिछले साल जून मे मस्क ने मोदी की अमेरिका की यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि 2024 मे भारत आने योजना बनाई है। साथ ही विश्वास जताया था कि टेस्ला जल्द ही भारतीय बाजार मे एंट्री करेगी। उनकी प्रस्तावित यात्रा से उम्मीदें बढ़ गई थी कि वह इलेक्ट्रिक कार का भारत मे कारोबार शुरू करने की घोषणा करेंगे। कांग्रेस ने इलॉन मस्क के भारत के दौरे को स्थगित करने को लेकर केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया। पार्टी के नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि अमेरिकी कारोबारी ने भी दीवार पर लिखी इबारत पढ़ ली है।

इलॉन मस्क

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों की शिक्षा में स्कूल बस भेंट

उदयपुर @ जागरूक जनता। नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में पढ़ रहे मजदूर और गरीब के बच्चों को निशुल्क शिक्षा सेवा के लिए 52 सीटर स्कूली बस लोकार्पित की गई। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने नई बस का वैदिक मंत्रों से पूजा अर्चना कर बस का उद्घाटन किया। इस मौके पर विद्यार्थी, शिक्षक, एकेडमी की प्राचार्य अर्चना गोलवलकर, महा गंगोत्री हेड रजत गौड़, दिनेश वैष्णव, रोहित तिवारी, जसबीर सिंह, जितेंद्र वर्मा, अनिल आचार्य मौजूद थे। स्कूल के बच्चों ने नृत्य प्रस्तुतियां भी दी। विदेश विभाग प्रभारी रवीश कावडीया ने बताया कि स्कूल बस का सहयोग यूएसए निवासी लीना के. दवे ने जगमोहनदास और कीर्ति दवे की स्मृति में किया है। अध्यक्ष अग्रवाल ने दवे परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा इस सत्र में बढ़ने वाले 150 विद्यार्थियों के लिए यह बस उपयोगी सिद्ध होगी। समारोह का संचालन आदित्य चौबीसा ने किया।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

दाधीच महिला मंडल द्वारा मतदान हेतु ली शपथ

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अखिल भारतवर्षीय दाहिमा दाधीच ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ चित्तौड़गढ़ द्वारा लोकसभा में मतदान करने हेतु शपथ ली। अध्यक्ष अंजू दाधीच ने बताया कि सभी दाधीच महिलाओं द्वारा लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए देश के लोकतंत्र की मर्यादा को बनाए रखने के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा बनाए रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय से किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना 26 अप्रैल 2024 को होने वाले लोकसभा चुनाव में अपने मत का प्रयोग करने की शपथ ली। इस अवसर पर दुर्गा शर्मा अंजू दाधीच रेखा दाधीच सरोज दाधीच ज्योति व्यास रेखा भट्ट खुशबू शर्मा उषा तुलछिया प्रभा तिवारी सुनीता शर्मा इंदु शर्मा माया दाधीच सोनिया शर्मा ज्योति तिवारी बेबी कुमारी उपस्थित थे।

गरीब को गणेश मानकर जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभ पहुंचाया-सीपी जोशी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वल्लभनगर। चित्तौड़गढ़ लोकसभा भाजपा प्रत्याशी व प्रदेशध्यक्ष सीपी जोशी रविवार को चितौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र की वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र के तारावट,धमानिया, वल्लभनगर, बालाथल, गोटीपा, करनपुर, महाराज की खेड़ी, दरौली टूस आदि गांवों में प्रदेश अध्यक्ष जोशी एवं विधायक उदयलाल डांगी का जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने भारत की 140 करोड़ जनता को अपना परिवारजन मानते हुए विगत 10 वर्षों में सकारात्मक सोच के साथ गरीब को गणेश मानकर पीड़ित, शोषित, वंचित, अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक ने बताया कि जोशी ने आव्हान किया कि किसी के भी बहकावे में आए बिना चित्तौड़गढ़ लोकसभा में पुन एक बार कमल खिलाकर मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है।उन्होंने कहा कि कहा कि डबल इंजन की सरकार में क्षेत्र में आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को साकार किया जायेगा। आने वाले समय में इस क्षेत्र में विकास की कोई कमी नहीं आएगी। महावीर जयंती के उपलक्ष में सीपी जोशी ने वल्लभनगर में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, वल्लभनगर भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन पर्व पर कार्यक्रम में श्री धैर्य मुनिजी का आशीर्वाद लिया। वल्लभनगर विधायक डांगी ने संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में गांव गांव ढाणी में 5 वर्षों में विकास के कार्य अच्छे होंगे और कार्यकर्ताओं के मान सम्मान में कोई कमी नहीं आएगी। इस मौके पर उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, वल्लभनगर विधानसभा संयोजक व भाजपा देहात जिला मंत्री भंवर भट्ट, सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव : भागलपुर और अमरोहा में गरजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी, भाजपा पर किया कड़ा प्रहार

400 सीटों का दावा करने वाले एनडीए को 150 सीटें मिलेंगी: राहुल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को भागलपुर पहुंचे, जहां सैंडिस कंपाउंड में खुले मंच से उन्होंने महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा को जीत दिलाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग 400 पार की बात करते हैं, जबकि जनता के मूड को देखते हुए ऐसा लगता है कि भाजपा को 150 पार करने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ेगी।

राहुल ने आगे कहा कि हमारी सरकार बनते ही अग्निवीर योजना को उठाकर फेंक देंगे। देश को 2 तरह के शहीद नहीं चाहिए। राहुल गांधी के भाषण में उनका जोर रोजगार पर था। उन्होंने बताया कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो किस तरह की योजना लाएंगे। उन्होंने कहा कि जो पैसा मोदी सरकार ने अमीरों में बांटा, हमारी सरकार बनी तो वह रुपया हम गरीबों को देंगे। राहुल गांधी

ने आम जनता के बीच मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर कांग्रेस शासन में आई तो गरीबों को प्रति माह 8000 रुपए दिए जाएंगे, जो खटाखट- खटाखट लाभुकों के खाते में जाएंगे।

भाजपा की फिल्म फ्लॉपः तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने भाजपा और पीएम मोदी पर जमकर बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की 400 पार वाली फिल्म फ्लॉप हो चुकी है। हम जीत रहे हैं। उन्होंने पूर्णिया से राजद प्रत्याशी बीमा भारती के पक्ष में भी प्रचार किया। भागलपुर से इस सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी अजीत शर्मा हैं। यहां उनका मुकाबला जदयू प्रत्याशी अजय कुमार मंडल से है।

जातीय जनगणना देश का एक्स-रेः राहुल

अमरोहा। लोकसभा चुनाव 2024 में अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने पहली बार अमरोहा में एक साथ जनसभा को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि देश की जनता का मालूम होना चाहिए कि उनकी कितनी भागीदारी है। हिंदुस्तान का एक्स-रे करवा दो। जातीय जनगणना हिंदुस्तान का एक्स-रे है। सरकार आते ही हम जातीय जनगणना का काम शुरू कर देंगे। राहुल ने कहा, जातीय जनगणना से सबको पता चल जाएगा कि आप कितने हो। आपकी कितनी भागीदारी है। इससे किसी को ऐतराज नहीं होना चाहिए। लेकिन नरेंद्र मोदी कहते हैं बिल्कुल नहीं। भाजपा के लोग कहते हैं कि एक्स-रे नहीं होगा। क्यों नहीं होगा, बिल्कुल होगा। उन्होंने कहा, चुनाव में एक तरफ इंडिया गठबंधन और दूसरी तरफ बीजेपी और आरएसएस। यह विचारधारा की लड़ाई है। पहली बार इंडिया गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा कर रहा है। बीजेपी, आरएसएस के लोग लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हुए हैं। आपने सुना होगा कि भाजपा नेताओं ने कहा कि हम चुनाव जीत गए तो संविधान बदल देंगे।

पीएम मोदी 2550वें निर्वाण समारोह में हुए शामिल

महावीर जयंती पर स्मारक टिकट और सिक्का जारी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। महावीर जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 2550वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने स्मारक डाक टिकट और एक सिक्का जारी कर लोगों को संबोधित किया। बता दें कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य के सिद्धांत देकर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और विश्व बंधुत्व को बढ़ावा दिया। आज भगवान महावीर स्वामी के जन्म-कल्याणक पर भारत मंडपम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस अवसर पर जैन संत उपस्थिति रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मैं महावीर जयंती के इस शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। चुनाव के कठिन समय में ऐसे पवित्र कार्यक्रम में शामिल होना मन को शांति दे रहा है।' जैन महावीर स्वामी सहित प्रत्येक तीर्थंकर के पांच कल्याणक (प्रमुख कार्यक्रम) मनाते हैं; च्यवन/गर्भ (गर्भाधान) कल्याणक, जन्म (जन्म) कल्याणक, दीक्षा (त्याग) कल्याणक, केवलज्ञान (सर्वज्ञता) कल्याणक और निर्वाण (मुक्ति/परम मोक्ष) कल्याणक। 21 अप्रैल 2024 को भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक है और सरकार इस अवसर को जैन समुदाय के साथ भारत मंडपम में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके मना रही है, साथ ही जैन समुदाय के संत इस अवसर की शोभा बढ़ा रहे हैं।

'आप लोगों से मेरा जुड़ाव बहुत पुराना है'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भारत मंडपम का ये भव्य भवन आज भगवान महावीर के 2,550वें निर्वाण महोत्सव के आरंभ का साक्षी बन रहा है। अभी हमने भगवान महावीर के जीवन पर विद्यार्थी मित्रों द्वारा तैयार किए चित्रण को देखा। युवा साथियों ने 'वर्तमान में वर्धमान' सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती भी की।

नांदेड़ में प्रधानमंत्री मोदी ने किया राहुल पर हमला

कांग्रेस के शहजादे को वायनाड में दिख रहा संकटः नरेन्द्र मोदी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में चुनावी रैली की। यहां उन्होंने पहले चरण में वोट देने वाले वोटर्स को धन्यवाद दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन को उम्मीदवार नहीं मिल रहा। वायनाड में राहुल को संकट दिख रहा है। जैसे वे अमेठी छोड़कर भागे हैं, उन्हें वायनाड छोड़कर भी भागना पड़ेगा।

नांदेड़ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने परभणी भी जनसभा की। यहां उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहा था, तब आतंकी हमलों के डर, आए दिन बम धमाके की खबरें छाई रहती थीं। 5 साल बाद 2019 में सीमा पार से होने वाले हमलों की चर्चा बंद हो गई और सर्जिकल स्ट्राइक की चर्चा होने लगी। ये तो मोदी है, जो घर में घुसकर मारता है। हर जगह यही चर्चा होने लगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक की बात सुनकर शौर्य की ये धरती महाराष्ट्र भी गर्व से भर गई थी। हिंदुस्तान के हर नागरिक को इस पर गर्व हुआ था। एनडीए सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। हमारी सरकार हर जाति, पंथ के लिए काम करती है। पीएम मोदी ने कहा कि इंडिया अलायंस के लोग अंदर-अंदर अपने आप में चुनाव लड़ रहे हैं। ये आपस में एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

विपक्षी एक-दूसरे के कपड़े फाड़ेंगे

पीएम ने कहा कि 4 जून के बाद इंडिया गठबंधन एक-दूसरे के कपड़े फाड़ेगा। एक दूसरे के बाल नोंचने वाले हैं। आप बताईए कोई भी समझदार नागरिक इनके लिए वोट करेगा क्या? मैं मतदाताओं को कहता हूं कि आइए जी-भरकर एनडीए को वोट दीजिए।

कांग्रेस बनी विकास में दीवार

मोदी ने कहा कि कांग्रेस गरीब, दलित, वंचित, मजदूर किसान के विकास के सामने हमेशा दीवार बनकर खड़ी है। आजादी के 6 दशक बाद हमने करोड़ों गरीब महिलाओं को शौचालय देने का अभियान छेड़ दिया। तब कांग्रेस और इंडी अघाड़ी वाले लोग मजाक उड़ाते थे।

विदर्भ के श्रीअन्न को दुनिया में पहचान

मोदी ने कहा कि अब 80% से ज्यादा घरों में नल से जल आने लगा है। किसानों को प्रीमियम से 5 गुना ज्यादा क्लेम फसल बीमा के तहत दिलाया। नांदेड़ के किसानों को 1300 करोड़ से ज्यादा किसान सम्मान निधि से मिले। हमारी सरकार ने मोटे अनाज को पहचान दी, श्री अन्न कहा।

आतिशी ने शेयर की केजरीवाल की रीडिंग, कहा-

इतने हाई लेवल पर इंसुलिन नहीं दी तो मल्टी ऑर्गन फेल्योर हो जाएगा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मंत्री आतिशी ने शनिवार को सीएम अरविंद केजरीवाल की 12 से 17 अप्रैल तक की डायबिटीज और शुगर लेवल रिपोर्ट शेयर कर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का शुगर लेवल हाई होने के बावजूद उन्हें इंसुलिन नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि अगर इतने हाई शुगर लेवल पर इंसुलिन नहीं दी जाएगी, तो व्यक्ति को धीरे-धीरे मल्टी ऑर्गन फेल्योर हो सकता है। यह कैसी क्रूर सरकार है जो डायबिटीज के मरीज को इंसुलिन देने से मना कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंग्रेजों की तरह कैदियों का खाना और दवाएं रोकने की साजिश अरविंद केजरीवाल के साथ मोदी सरकार कर रही है।

सिसोदिया ने जमानत मांगी, फैसला सुरक्षित

दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़ी सीबीआई और ईडी केस में रेगुलर जमानत की मांग वाली मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर राऊज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट 30 अप्रैल को फैसला सुनाएगी। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने स्पेशल जज कावेरी बावेजा से कहा कि सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट ने सिसोदिया को केस का मास्टरमाइंड माना है।

दावा...जेल आने से पहले इंसुलिन बंद की

तिहाड़ के अफसर ने शनिवार को दावा किया कि केजरीवाल जेल आने के महीनों पहले इंसुलिन लेना बंद कर चुके थे। वे सामान्य एंटी-डायबिटीज दवा मेटफॉर्मिन खाते हैं। ये रिपोर्ट दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को सौंपी गई है।

मौसम का बदला मिजाज.... गर्मी दिखाने लगी असर

मौसम का मिजाज बदलने लगा है। अब गर्मी असर दिखाने लगी है। आने वाले दिनों में इसके और बढ़ने के आसार है। शनिवार को बिहार की राजधानी पटना में धूप से बचने के लिए दो युवतियां दुपट्टे का सहारा लेते हुए।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039